RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 132 , गुरुवार, 25 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी में 531 प्रशिक्षु सिपाहियों का दीक्षांत परेड समारोह संपन्न 03

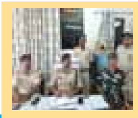

कंटेनर के गुप्त तहखाने से 339 किलो गांजा बरामद, चालक गिरफ्तार 04

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी की फिल्मबेबी डू डाई काउ टीजर जारी... 07

संक्षिप्त समाचार

'छात्रों की गूंज' को दहशतगर्द बता रहे केन्द्रीय मंत्री प्रधान

- शिक्षा मंत्री पर भड़के कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर हाल ही में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कई मीडिया हाउस को इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू के सामने आने के बाद अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा

है। उन्होंने कहा है कि 90 पेपर लीक हुए हैं, करोड़ों छात्रों का भविष्य बरबाद हुआ है, 20 बच्चों ने नीट यूजी लीक की वजह से अपनी जान ले ली, परिवार तबाह हो गए। मोदी सरकार में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कुर्सी पर चिपककर इंटरव्यू देते हुए छात्रों की गूंज को दहशतगर्द बता रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश ये भूला नहीं है कि खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भरी संसद में अन्नदाता किसानों को आंदोलनजीवी और परजीवी की अपमानजनक संज्ञा दी थी, जो इस सरकार से सवाल पूछता है, उसको देशद्रोही बोलते हैं।

जिन शिक्षकों पर भरोसा था, उन्होंने धोखा दिया

- नीट यूजी विवाद पर बोले धर्मेंद्र प्रधान, राहुल पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बीते कई दिनों से विवादों में चल रहे नीट यूजी के मामले में अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों पर परीक्षा को सुरक्षित और निष्पक्ष तरीके से कराने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने ही इसके साथ धोखा किया और परीक्षा की विश्वसनीयता को नुकसान

पहुंचाया। रविवार को दोबारा हुई नीट परीक्षा के बिना किसी गड़बड़ी के पूरे होने के बाद, शिक्षा मंत्री ने पहली बार इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शिक्षकों को बहुत संवेदनशील जिम्मेदारियां सौंपी थीं, लेकिन कुछ लोग इस भरोसे को बनाए रखने में नाकाम रहे। उन्होंने 3 मई को हुई पहली परीक्षा में कुछ लोगों द्वारा किए गए विश्वासघात पर दुख जताया, जिसके कारण परीक्षा को रद्द करना पड़ा था। इसके साथ ही प्रधान ने विपक्ष की तरफ से लगाए गए सभी आरोपों का जवाब भी देते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर जमकर निशाना भी साधा।

कोलकाता में ढह गया निर्माणाधीन गोदाम

- 4 की मौत, 50-55 लोगों के दबे होने की आशंका

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 1.30 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। घटना में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। 50 से 55 लोगों के दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक अभी 20 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका था है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कंक्रीट ढलाई का

काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, रेस्क्यू में कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और सेना भी जुटी है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। गैस कटर से लोहे की छड़ों को काटा जा रहा है। मलबे में दबे मजदूरों-कर्मचारियों की चीखें भी सुनाई दे रही हैं, उन्हें जल्द से जल्द रेस्क्यू के प्रयास जारी हैं। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया बुधवार दोपहर के समय तारातला इलाके में ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर स्थित एक निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। हमारे अधिकारी सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंच गए हैं।

वो कान्हा का राजा था...

एमपी में 'कुत्तों के वायरस' से 9वें बाघ की मौत

20 दिन चला इलाज, विशेषज्ञ भी नहीं बचा सके

मंडला (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों को विचलित करने वाली खबर सामने आई है। कान्हा के मुक्की क्वारंटाइन सेंटर में उपचाराधीन एक और बाघ ने दम तोड़ दिया है। शुरुआती जांच में मृत बाघ के भीतर घातक केनाइन डिस्टेम्पर (बीमारी के लक्षण मिले हैं। चिंताजनक बात यह है कि पिछले महज तीन महीनों के भीतर कान्हा में इस बीमारी के संदिग्ध लक्षणों के चलते यह 9वें बाघ की मौत है। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक, 4 जून 2026 को किसली बीट के सन्दूक खोल इलाके में हाथी गश्ती दल ने इस बाघ को अत्यंत अस्वस्थ और कमजोर स्थिति में देखा था।

विसरा सैंपल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए

नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी के तय प्रोटोकॉल के तहत मृत बाघ का पोस्टमार्टम कराया गया। पीएम रिपोर्ट के अनुसार, बाघ के सभी महत्वपूर्ण अंग सुरक्षित पाए गए हैं। मौत के सटीक कारणों और केनाइन डिस्टेम्पर की आधिकारिक पुष्टि के लिए विसरा (अंगों के नमूने) सुरक्षित कर फॉरेंसिक जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। वरिष्ठ वन अधिकारियों और नामित सदस्यों की मौजूदगी में प्रोटोकॉल के तहत बाघ के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

खामनेई के अंतिम संस्कार शामिल होंगे पीएम मोदी !

ईरानी राष्ट्रपति ने कर दिया 'खेला', न्योता देकर फंसाया

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्मों में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के शुरुआती हमले में मारे गए थे। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने खामेनेई के मौत पर कोई शोक संदेश नहीं जारी किया था। हालांकि, बाद में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भारत सरकार की ओर से शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने के लिए नई दिल्ली में ईरानी दूतावास का दौरा किया था। अभी यह पता नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे या नहीं। इसके पहले मई 2024 में ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर

दुर्घटना में मौत के बाद भारत ने एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की थी। रईसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत ने एक प्रतिनिधिमंडल भेजा था, जिसकी अगुवाई जगदीप धनखड़ ने की थी।

4 जुलाई से शुरू होंगे अंतिम संस्कार कार्यक्रम

अली खामेनेई का लंबे समय तक चलने वाला संस्कार उनकी मौत के चार महीने बाद किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 4 जुलाई को तेहरान के ग्रैंड मोसाला कॉम्प्लेक्स में शव को अंतिम दर्शन के लिए रखे जाने के साथ होगी। इसके बाद तेहरान और कोम शहरों में सार्वजनिक जुलूस निकाले जाएंगे। इराक के पवित्र शहरों नजफ और कर्बला में उनके लिए प्रार्थनाएं पढ़ी जाएंगी।

आतंकवाद, ग्लोबल साउथ पर भारत का सीधा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने भविष्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए ब्रिक्स देशों को हर तरह से तैयार रहने को आगाह किया है। ब्रिक्स की अध्यक्षता अभी भारत के पास है, इस जिम्मेदारी के तहत इसने सदस्य देशों को हर उस मुद्दे को लेकर एकजुट रहने का आह्वान किया है, जो संकट भी बन सकता है और साथ मिलकर जिसका आसानी से समाधान भी निकला जा सकता है। भारत का यह नजरिया पहले ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की आपसी बैठक में एनएसए अजीत डोभाल के माध्यम से जाहिर हुआ और फिर जब तमाम सदस्य देशों के एनएसए की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई तो उन्होंने भी स्पष्टता के साथ भारतीय दृष्टिकोण उनके सामने रख दिया।

ब्रिक्स देशों के एनएसए से मुलाकात में पीएम मोदी ने खींच दी बड़ी लकीर

ग्लोबल साउथ और आतंकवाद पर फोकस

पीएम मोदी ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों के एनएसए से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत के द्वारा ब्रिक्स की अगुवाई करने से ग्लोबल साउथ को लेकर इसकी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य आतंकवाद, साइबर सुरक्षा से लेकर अन्य चुनौतियों से निपटने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इस दौरान ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधिमंडल ने 2026 में भारत की ब्रिक्स चेयरशिप के प्रति अपना पूर्ण समर्थन जाहिर किया। भारत की ओर से जो दोनों मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए हैं, उनमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की बात सुनकर पाकिस्तान की नींदें उड़ेंगी, दूसरी तरफ ग्लोबल साउथ की चर्चा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बिल्कुल ही नापसंद है। इस तरह से कहीं न कहीं, ये दोनों मसले इनकी फिर से उभरती दोस्ती के बीच मिर्ची से कम नहीं है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले ब्रिक्स देशों के एनएसए 22 जून, 2026 से दो दिनों की बैठक के लिए नई दिल्ली में जुटे थे।

गैर-पारंपरिक खतरों से एनएसए ने किया सावधान

ब्रिक्स देशों के एनएसए की बैठक की अगुवाई भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने की। उन्होंने सदस्य देशों से कहा, हम यहां अलग-अलग महाद्वीप से आए हैं, विभिन्न क्षेत्रों से हैं और यह ऐसा समूह है, जहां हम लोगों के पास विविध तरह का अनुभव है। अजीत डोभाल ने अपने समकक्षों से कहा कि ब्रिक्स सदस्यों को तय करना है कि वे उभरती चुनौतियों का मिलजुल कर कैसे सामना कर सकते हैं। डोभाल ने इस बात से आगाह किया कि सुरक्षा के आधुनिक खतरे तेजी से सीमाएं पार कर रहे हैं और रक्षा के परंपरागत तकनीक और कूटनीतिक फ्रेमवर्क को नाकाम करने लगे हैं। उन्होंने गैर-परंपरागत जोखिमों की विशालता, जिसमें साइबर अटैक, आतंकवाद के नए तरीके और टेक्नोलॉजी की वजह से पैदा हो रहे खतरे की ओर ध्यान दिलाया।

एक तरफ प्यार, दूसरी ओर 'हत्या' की साजिश

पुणे मर्डर कांड में बड़ा खुलासा, पुलिस भी हैरान

पुणे (एजेंसी)। पुणे में मंगेतर की हत्या करने वाली 20 साल की सिया गोयल ने सोशल मीडिया अकाउंट पर

- मंगेतर केतन के साथ सिया की कई रोमांटिक पोस्ट

केतन अग्रवाल (26) के साथ कई रोमांटिक पोस्ट किए थे। कभी प्रपोजल की तस्वीरें, कभी फूल देकर प्यार जताने वाले पल, तो कभी डांस और गले मिलने के वीडियो। दोनों की नवंबर में होने वाली शादी की तैयारियां भी सोशल

मीडिया पोस्ट का हिस्सा थीं। इस साल फरवरी में सगाई के बाद सिया ने इंस्टाग्राम पर एक केक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था- मेरे दिल को उसका घर मिले एक महीना पूरा हुआ। उसने केतन को टैग भी किया था। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को केतन की मौत के दिन लोहगढ़ किले पर एक युवक हुडी पहनकर आया था।

बर्थडे पर केतन ने पहले से सेलीब्रेशन शुरू कर दिया

सोशल मीडिया पर सिया और उसके मंगेतर केतन का रिश्ता किसी परफेक्ट लव स्टोरी जैसी थी। 19 जून को सिया का बर्थडे था। केतन ने एक महीने पहले यानी 19 मई से ही काउंटडाउन सेलिब्रेशन शुरू कर दिया था। वह रोज उसे अलग-अलग तरीके से अपनी मंगेतर सरप्राइज देता। सिया सोशल मीडिया पर इसके वीडियो पोस्ट करती थी। ये पोस्ट अब वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट में केतन अपनी कार फूलों से सजाकर सिया को गिफ्ट देता दिखा। सिया ने इसका वीडियो पोस्ट कर लिखा- उसने पसंद है तुम्हें वाली बात को बहुत सीरियसली से ले लिया।

भरत तिवारी के लिए बिहार में जुट गई हजारों की भीड़

भोजपुर के बिलौटी में महापंचायत, प्रशांत किशोर भी पहुंचे

आरा (एजेंसी)। भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर रविवार को शाहपुर प्रखंड के बिलौटी गांव में आयोजित महापंचायत राजनीतिक और सामाजिक रूप से बड़ा केंद्र बनती जा रही है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुबह से ही दूर-दूर से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। गांव और आसपास के इलाकों में भरत तिवारी के पोस्टर-बैनर लगाए गए हैं, जबकि कई लोग तिरंगा लेकर और नारेबाजी करते पहुंच रहे हैं। महापंचायत को लेकर सबसे अधिक उत्साह युवाओं में देखने को मिल रहा है। आयोजन स्थल पर अब तक पांच हजार से अधिक लोगों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है। बड़ी संख्या में किशोर और

युवा वर्ग के लोग न्याय की मांग को लेकर एकजुट नजर आए। इसी बीच जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी महापंचायत में बिलौटी गांव पहुंच गए।

एलओसी पर 35 ड्रोन यूनिट तैनात, जंग छेड़ने की धमकी

- भारत के खिलाफ साजिश रच रहे पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु नदी का पानी रोका, तो पाकिस्तान की परेशानियां बढ़ गई हैं। पाकिस्तान ने यह मसला अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में भी लेकिन वहां भी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ। इसके बाद अब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भारत को जंग छेड़ने की धमकी दे रहे हैं। वहीं, आर्मी चीफ आसिम मुनीर जंग की साजिश रचने में जुटे हैं। नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की 8 ब्रिगेड ने 35 एंटी ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। पाकिस्तान ने एआई फेंसिंग भी की है। इसके तहत टारगेटिंग और सर्विलांस को तेज किया गया है। पाकिस्तान ने हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और काउंटर ड्रोन ग्रिड भी तैयार किया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से जुड़ी सीमाओं से एलओसी में तैनात किया है।

चीन 5वीं जेनरेशन का फाइटर जेट देगा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने पाकिस्तान को 36 मल्टी रोल जे-सीरीज फाइटर जेट की सप्लाई की है। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी एफ-35 जेट का चीनी वर्जन जे-35 भी साल के अंत तक पाकिस्तान को मिलने वाला है। इस जेट की टेस्ट फ्लाइट्स हो चुकी हैं। पाकिस्तान को ड्रोन सप्लाई करने के बाद अब तुर्किये कराची के पास साझा कॉम्बैट ड्रोन असेंबली प्लांट भी लगाया है। यहां हर साल 700 ड्रोन बनेंगे। पाकिस्तान ने इन ड्रोन को बांग्लादेश को एक्सपोर्ट करने का एमओयू भी किया है। तुर्किये पाकिस्तान के लिए मिलजैम क्लास पनडुब्बी भी बना रहा है। पाकिस्तान को पनडुब्बी की साल के अंत तक डिलीवरी भी मिल जाएगी।

रक्षा मंत्री बोले थे-भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है।

पाक एयरस्पेस में घुसा एअर इंडिया का विमान

- दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ा, तकनीकी खराबी से रास्ता भटका

अमृतसर (एजेंसी)। एअर इंडिया की एक फ्लाइट सोमवार रात रास्ता भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा घुसी। इसे पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने चेतावनी देकर वापस भेजा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी और इसे अमृतसर लैंड होना था। पाकिस्तान के एयर स्पेस से जब फ्लाइट लौटी तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ गया था, ऐसे में इसे वापस दिल्ली भेज दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया है कि तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले 12 जून को पाकिस्तान की भी पैसेंजर फ्लाइट फ्लाई जिन्ना-9 के 514 खराब मौसम के कारण भारतीय एयरस्पेस में घुस आई थी।

संक्षिप्त समाचार

बिजली खंभे पर काम कर रहे कर्मी को मौत, हाजीपुर में 35 फीट ऊंचाई से गिरा

हाजीपुर। हाजीपुर में बिजली के खंभे पर काम कर रहे एक मानव बल को करंट लग गया। इस हादसे में राजेश कुमार यादव नामक कर्मी 35 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना तीन फेज लाइन जोड़ने के दौरान हुई। राजेश कुमार यादव बिजली के खंभे पर चढ़कर काम कर रहे थे, तभी अचानक लाइन में करंट प्रवाहित हो गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्विच बोर्ड संचालित करने में हुई लापरवाही के कारण बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई, जिससे यह हादसा हुआ। करंट लगने से राजेश कुमार यादव बुरी तरह झुलस गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद घायल कर्मी को हाजीपुर के गणपति अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना को लेकर विभागीय लापरवाही के आरोप लगाए जा रहे हैं और मामले की जांच तथा जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता शिविर, 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत 'शिक्षा और अधिकारों' पर जोर

हाजीपुर। वैशाली को बाल विवाह की कुप्रथा से पूरी तरह मुक्त बनाने के उद्देश्य से हाजीपुर प्रखंड के समाचक हरौली गांव स्थित महादलित टोले में एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत आयोजित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य हाजीपुर प्रखंड सहित पूरे वैशाली जिले को बाल विवाह से पूरी तरह मुक्त बनाना है। कार्यक्रम का आयोजन स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JRC) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसकी अध्यक्षता वार्ड सदस्य राजीव पासवान ने की, जबकि संचालन अधिकार मित्र संतोष कुमार ने किया। इस दौरान संस्थान के सचिव और जेआरसी के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बाल विवाह को एक

गंभीर सामाजिक बुराई और कानूनन दंडनीय अपराध बताया। उन्होंने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 का हवाला देते हुए कहा कि बाल विवाह कराने, उसमें शामिल होने या बढ़ावा देने वाले व्यक्ति को 2 वर्ष तक के कठोर कारावास और 1 लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है। डॉ. शुक्ला ने जोर देकर कहा कि बाल विवाह को रोकना समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि संस्थान इस कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने हेतु कानूनी, सामाजिक और जमीनी स्तर पर निरंतर प्रयास कर रहा है। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए बाल विवाह के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है, जो बच्चों से उनका बचपन छीन लेता है और उनके शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पूरे भविष्य को अंधकार में डाल देता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जब तक हर बच्चा शिक्षित और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होगा, तब तक इस कुप्रथा को पूरी तरह खत्म कर पाना संभव नहीं है। संतोष कुमार ने कहा कि शिक्षा, जन जागरूकता और सभी के सामूहिक प्रयास से ही इस कुरीति को समाप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित वार्ड सदस्य राजीव पासवान ने अभियान की सराहना की और बाल विवाह के खिलाफ चल रही इस मुहिम में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने अपनी पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने का सार्वजनिक संकल्प भी लिया।

फ्लिपकार्ट वेयरहाउस पर मजदूरों का हंगामा, वेतन वृद्धि और मिस-पंच को लेकर एनएच-22 जाम

हाजीपुर। वैशाली के धोबघट्टी स्थित फ्लिपकार्ट वेयरहाउस में बुधवार सुबह मजदूरों ने वेतन वृद्धि और मिस-पंच के मुद्दों को लेकर हंगामा किया। लगभग एक हजार महिला और पुरुष कर्मचारियों ने कंपनी के गेट पर धरना-प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 22 (NH-22) को पूरी तरह जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर कंपनी के गेट पर ही डेरा डाल दिया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, जिसके बाद काफी मशक्कत से वे बातचीत के लिए तैयार हुए। इससे पहले भी वेतन वृद्धि को लेकर श्रमिकों द्वारा प्रदर्शन किया गया था। फिलहाल, वैशाली पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है और कंपनी के गेट पर पुलिस बल तैनात है। कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी नाइट शिफ्ट की सैलरी 18,000 रुपये से घटाकर 13,000 रुपये कर दी गई है। कंपनी ने उनकी पोस्ट भी कम कर दी है। पहले नाइट शिफ्ट के लिए अलग से 120 रुपये मिलते थे, जिसे अब 50 रुपये कम कर दिया गया है। श्रमिकों का कहना है कि कंपनी जिस तरह से काम लेती है, उस हिसाब से उन्हें भुगतान नहीं किया जाता है। साथ ही, भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। उन्हें उचित सुविधाएं नहीं मिलतीं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे दूसरे जिलों और राज्यों से आकर यहां किराए पर रहते हैं। उन्हें प्रति श्रमिक 738 रुपये मिलने चाहिए, लेकिन उतना भुगतान नहीं किया जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी सैलरी नहीं बढ़ाई जाती, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

बागमती का जलस्तर बढ़ा, मुजफ्फरपुर में पीपापुल क्षतिग्रस्त, 22 पंचायतों का संपर्क टूटने का था खतरा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बागमती नदी के जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि से औराई और कटरा प्रखंड में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। सबसे गंभीर स्थिति कटरा प्रखंड में देखने को मिली, जहां क्षेत्र की लाइफलाइन माने जाने वाले पीपापुल पर संकट गहरा गया। बागमती के तेज बहाव के साथ भारी मात्रा में बहकर आई जलकुंभी पुल में फंस गई, जिससे पुल पर अत्यधिक दबाव बन गया और उसका एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ समय के लिए लोगों में पुल के बह जाने की आशंका को लेकर दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीपापुल कटरा और आसपास के दर्जनों गांवों के लिए जीवनरेखा है। यदि यह पुल बह जाता तो 16 से 22 पंचायतों के लाखों लोगों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से कट जाता। लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए 30 से 50 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती। ग्रामीणों के अनुसार रोजाना चार हजार से दस हजार लोग इस पुल का उपयोग करते हैं। छात्र, किसान, मरीज, व्यवसायी और नौकरीपेशा लोग इसी रास्ते से आवाजाही करते हैं। स्थानीय निवासी मुकेश सिंह ने बताया कि दशकों से यह पीपापुल इलाके के लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण संपर्क साधन बना हुआ है। पुल के कारण लोगों का प्रखंड मुख्यालय और जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क बना रहता है। वहीं सुमन कुमार सिंह ने कहा कि इस पुल के बिना क्षेत्र के लोगों की जिंदगी काफी कठिन हो जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी अधिकांश जरूरतें इसी मार्ग के जरिए पूरी होती हैं। इसलिए इस पुल की सुरक्षा और स्थायी समाधान बेहद जरूरी है। पीपापुल की देखरेख कर रहे अजित मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को बागमती नदी का जलस्तर अचानक तेजी से बढ़ गया। इसी दौरान भारी मात्रा में जलकुंभी बहकर पुल के पास जमा हो गई, जिससे पुल पर दबाव बढ़ने लगा और उसके बहने का खतरा उत्पन्न हो गया। उन्होंने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मशीन लगाई गई और 20 से अधिक कारीगरों को काम पर लगाया गया। करीब तीन से चार घंटे की लगातार मशक्कत के बाद जलकुंभी को हटाया गया, जिसके बाद पुल पर बना दबाव कम हुआ और आवागमन सामान्य हो सका। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और बागमती नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में पीपापुल पर इसी तरह का संकट उत्पन्न हो जाता है। ऐसे में अस्थायी उपायों के बजाय स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल की जानी चाहिए। नदी का जलस्तर फिलहाल धीरे-धीरे घटने लगा है, लेकिन बागमती के तेवर और मानसून की शुरुआत को देखते हुए इलाके के लोगों की चिंता अभी भी बरकरार है। इसको लेकर एसडीएम पूर्वी तुषार कुमार ने बताया कि बागमती नदी में अचानक जलस्तर में बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन अब पानी लगातार नीचे जा रहा है। प्रशासन की इस पर नजर बनी है। संभावित खतरे को देखते हुए तैयारी पूरी कर ली गई है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, युवक की मौके पर मौत

दोस्त गंभीर घायल, फरार ड्राइवर का तलाश जारी

एजेंसी, पटना

पटना के बख्तियारपुर स्थित जगदम्बा स्थान से माता के दर्शन कर पटना लौट रहे दो बाइक सवार दोस्त बुधवार की सड़क हादसे का शिकार हो गए। फतुहा ओवरब्रिज (ROB) के पास फोरलेन पर अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान पटना के अगमकुआं, धनुकी निवासी प्रमोद महतो के 19 वर्षीय बेटे विक्की कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक की पहचान उसी इलाके के राम महतो के 18 वर्षीय बेटे शानू के रूप में की गई है।

गाड़ी की टक्कर से गिरे, पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचला-शानू: घायल शानू ने बताया, दोनों दोस्त बुधवार की सुबह बाइक से माता के दर्शन करने गए थे। लौटने के दौरान फतुहा ROB के पास पीछे से किसी अज्ञात बड़े गाड़ी ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे। इसी बीच पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर गिरे विक्की के सिर को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। शानू ने आगे बताया, 'दोनों ने सुरक्षा के लिए हेलमेट पहन रखा था, लेकिन ट्रक का पहिया चढ़ने के कारण विक्की का हेलमेट भी चकनाचूर हो गया और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।'

फरार गाड़ी की तलाश करने CCTV खंगाल रही पुलिस: घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय फतुहा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फतुहा थाना अध्यक्ष श्रीमंत सुमन ने बताया, शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फरार गाड़ी की तलाश के लिए आस-पास लगे CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मौत की खबर से परिजनों में कोहराम: इधर, जैसे ही विक्की की मौत की खबर उसके घर पहुंची, परिजनों में कोहराम मच गया। माता के दर्शन कर घर लौटने की खुशी पल भर में मातम में बदल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पटना में 48 लाख की विदेशी शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में मद्य निषेध विभाग ने मंगलवार देर शाम शराब तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की है। पटना के धनकी मोड़ स्थित गांधी सेतु मार्ग पर 440 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गई और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बरामद शराब की खेप की बाजार कीमत 48 लाख रुपए बताई है।

मद्य निषेध विभाग के अधिकारी अजीत कुमार ने बताया, विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि हरियाणा से एक ट्रक में भारी मात्रा में विदेशी शराब लादकर दरभंगा ले जाई जा रही थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए मद्य निषेध विभाग की एक विशेष टीम का गठन किया गया।

विशेष टीम ने पटना के धनकी मोड़ के पास गांधी सेतु मार्ग पर वाहनों की कड़ाई से जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम ने एक संदिग्ध ट्रक (नंबर HR-69-C0873) को रोका। तलाशी लेने पर ट्रक में सीमेंट की बोरियों के नीचे छिपाकर रखी गई शराब की खेप मिली। तस्करों ने शराब को छिपाने के लिए ऊपर से सीमेंट लोड कर रखा था, ताकि किसी को संदेह न हो। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ट्रक चालक बिन्टू कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

चहरियाणा से दरभंगा जा रही थी ट्रक, सीमेंट की बोरियों के नीचे छिपाकर रखी खेप

बिन्टू कुमार हरियाणा के रोहतक जिले का निवासी बताया जा रहा है। उससे शराब तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। विभाग यह भी जांच कर रहा है कि शराब की यह खेप बिहार के किन-किन जिलों में पहुंचाई जानी थी। अधिकारियों ने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

राजेंद्र सेतु पर रेलवे का ओवरहेड तार टूटा, बीच पुल पर 4 घंटे फंसी रही मौर्य एक्सप्रेस

एजेंसी, पटना

पटना के मोकामा स्थित राजेंद्र सेतु पर अचानक ओवरहेड बिजली का तार टूटने से बुधवार को रेल परिचालन प्रभावित हो गया। तकनीकी खराबी के कारण सोनपुर-किउल रेलखंड पर ट्रेनों की आवाजाही बाधित रही। इस दौरान हटिया से गोरखपुर जा रही मौर्य एक्सप्रेस करीब चार घंटे तक गंगा नदी पर बने पुल राजेंद्र सेतु के बीचों बीच खड़ी रही। ट्रेन के अचानक रुक जाने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। भीषण गर्मी और लंबे इंतजार के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

तकनीकी टीम मौके पर पहुंची, शुरू हुआ मरम्मत कार्य: घटना की जानकारी मिलते ही मोकामा रेलवे स्टेशन से रेल कर्मियों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने क्षतिग्रस्त विद्युत व्यवस्था को आंशिक रूप से बहाल करने का काम शुरू किया।

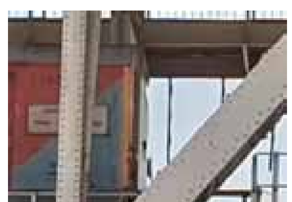

♦ सोनपुर-किउल रेलखंड पर परिचालन प्रभावित

कड़ी मशक्कत के बाद करीब 11:49 बजे मौर्य एक्सप्रेस को सुरक्षित रूप से आगे रवाना किया गया।

कई ट्रेनों पर पड़ा असर: स्थानीय लोगों के अनुसार, मौर्य एक्सप्रेस करीब चार घंटे तक पुल पर ही खड़ी रही। इसके कारण सोनपुर-किउल रेलखंड पर चलने वाली कई अन्य ट्रेनों को भी अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा। इस तकनीकी बाधा से दैनिक यात्रियों के साथ-साथ लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

पटना कोचिंग विवाद: अभिषेक-गौरव की जमानत पर कल होगी सुनवाई

एजेंसी, पटना

पटना कोचिंग विवाद मामले में बुधवार को सेशन जज की कोर्ट में आज रौशन आनंद पक्ष के अभिषेक और गौरव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट रूम में रौशन आनंद पक्ष के वकील की ओर से अपना पक्ष रखा गया है। इस दौरान कोर्ट को बताया गया कि लोक अभियोजक ने अपडेटेड केस डायरी रिसीव नहीं की थी, जिसके चलते आज जमानत नहीं मिल पाई। अब सुनवाई के लिए कल की तारीख निर्धारित की गई है। कल दोबारा जमानत पर सुनवाई होगी। पिछली तारीख पर कोर्ट की ओर से LCR (लोवर कोर्ट रिकॉर्ड) की मांग की गई थी। मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास की कोर्ट से रिकॉर्ड आ गया है। पिछली तारीख पर रिकॉर्ड नहीं होने के चलते 24 जून की तारीख दी गई थी। इसी कोर्ट से रौशन आनंद को भी बेल मिली थी।

खान सर और उनके गार्ड्स की जमानत पर सुनवाई: कल 25 जून को फैजल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर भी सुनवाई होनी है। इनके अलावा उनके दोनों गार्ड्स की जमानत पर भी सुनवाई होगी। कोर्ट ने कदमकुआं थाने की ओर से सबमिट अपडेट केस डायरी का अवलोकन कर लिया है।

अपडेट केस डायरी से खान की बढ़ सकती है मुश्किलें: कल का दिन खान पक्ष के लोगों के लिए बेहद खास है। क्योंकि पुलिस की ओर से जो अपडेट केस डायरी सबमिट की गई है। उसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि गोली सेल्फ डिफेंस में नहीं चलाई गई थी। दहशत फैलाने के इरादे से खान सर के कहने पर दोनों गार्डों ने फायरिंग की थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि कोर्ट का क्या रुख होता है।

फैजल खान की अग्रिम जमानत पर भी आएगा फैसला, अपडेट केस डायरी पर कोर्ट का रुख होगा अहम

रौशन आनंद ने बुलाई श्रद्धांजलि सभा: इधर, रौशन आनंद की ओर से अपने पैतृक गांव में भाई प्रिंस के लिए श्रद्धांजलि सभा बुलाई गई है, जिसमें रौशन आनंद ने देशभर के शिक्षकों और अन्य लोगों से शामिल होने की अपील की है। रोशन आनंद जेल से छूटने के बाद अपने भाई की हत्या की साजिश रचने का आरोप फैजल खान पक्ष के लोगों पर लगाया था। कदम कुआं थाने में शिकायत करने पहुंचे थे, लेकिन शिकायत दर्ज नहीं हो पाई थी।

करंट लगने से मजदूर की मौत, खेत में शौच के लिए जाते समय टूटे तार की चपेट में आया

एजेंसी, पटना

पटना में बुधवार सुबह एक 35 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। खेत में शौच के लिए जाते समय युवक बिजली के टूटे हुए तार की चपेट में आ गया। घटना फतुहा थाना क्षेत्र के वरुणा गांव की बताई जा रही है। मृतक की पहचान वरुणा गांव निवासी धूरी सिंह के 35 वर्षीय बेटे मसूदन सिंह के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

खेत में गिरा था हाई वोल्टेज तार: ग्रामीण रमेश कुमार के अनुसार, मसूदन सिंह बुधवार सुबह घर से खेतों की ओर गए थे। इसी दौरान खेत में बिजली का एक टूटा हुआ तार गिरा हुआ था, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। सुबह के समय अनजाने में वह तार की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए।

अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित किया: घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और युवक को तुरंत इलाज के लिए फतुहा अस्पताल ले जाया गया। हालांकि अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने जांच के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शुरू की कार्रवाई: घटना की सूचना मिलने के बाद फतुहा थाना की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। फतुहा थाना अध्यक्ष श्रीमंत सुमन ने बताया, पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। मामले की आगे जांच की जा रही है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मजदूरी कर चलाते थे परिवार: मौत की खबर सुनते ही अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मसूदन सिंह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में एक बेटा और तीन बेटियां हैं। कमाने वाले सदस्य की अचानक मौत के बाद परिवार गहरे सदमे में है।

तेज प्रताप के पुराने आवास से मंत्री ने हटवाया लालटेन

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन को 24 स्टैंड जिसमें पहले राजद नेता तेज प्रताप यादव रहते थे। इस आवास परिसर में रखा एक बड़ा लालटेन हटवाकर कूड़े के ढेर में फेंकवा दिया गया, जिसके बाद इस मुद्दे पर राजनीति तेज हो गई है। लालटेन राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का चुनाव चिन्ह है। मंत्री लखेंद्र ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'अब बिहार में इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। लोगों ने इसे कूड़ा-करकट समझकर कचरे के ढेर पर फेंक दिया।'

लालटेन फेंकने मामले में मीडिया के सवाल पर मंत्री लखेंद्र पासवान ने कहा, 'सुबह हम इको पार्क से लौट रहे थे। हमने देखा एक नौजवान लड़का उस लालटेन को खींचकर रोड पर फेंक रहा था। हमने उससे पूछा कि क्यों फेंक रहे हो, उसने कहा इसकी कोई आवश्यकता नहीं है अब घर में रखने की।' उन्होंने आगे कहा, 'बिहार की जनता ने ही लालटेन युग को समाप्त कर दिया है। डबल इंजन की सरकार है। वेपर लाइट का जमाना है। अभी बिजली बिहार में 18 से 22 घंटा के करीब रहती है।'तेज प्रताप यादव इस आवास पर रहते थे, ना जाने कचरा के ढेर पर इस लालटेन को छोड़कर कैसे चले गए। तेज प्रताप यादव ने लालटेन तो कब का फेंक दिया था। लालटेन को देखकर ही बिहार के जनता को डर लगता है।

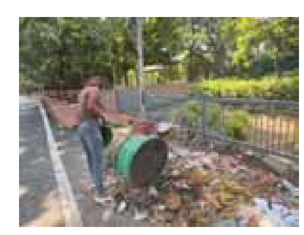

लद्दाख की वादियां घूमने के लिए बिहार सरकार देगी पैसे

एजेंसी, पटना

बिहार के लोग लद्दाख की खूबसूरत वादियों के बीच आराम से घूम सकते हैं। इसके लिए बिहार सरकार पैसे देगी। बीते दिन कैबिनेट बैठक में 'सिंधु दर्शन तीर्थयात्रा वित्तीय सहायता योजना 2026' को मंजूरी दी गई। इसके तहत बिहार के मूल निवासी यात्रियों को सिंधु दर्शन के लिए 20 हज़ार तक रुपये दिए जाएंगे। हर साल अधिकतम 100 तीर्थयात्रियों को ही इस योजना के तहत अनुदान दिया जाएगा, यानी अधिकतम 20 लाख रूपये प्रत्येक वित्तीय वर्ष खर्च किया जाएगा। लद्दाख की यात्रा काफी खर्चीली मानी जाती है। ऐसे में कई लोग आर्थिक कारणों से सिंधु दर्शन नहीं कर पाते हैं। इसलिए यह फैसला लिया गया है। अब जानिए किसे देना होगा आवेदन, कब मिलेंगे पैसे।

इस योजना का लाभ लेने के लिए क्या करना होगा: इस योजना का लाभ लेने के लिए पर्यटकों को एक आवेदन पत्र पर्यटन निदेशालय के आवेदन निदेशक को जमा करना होगा। इस आवेदन में सारी जानकारियां और डॉक्युमेंट्स होने चाहिए। आधार, पैन, स्थायी निवास प्रमाण-पत्र और यात्रा खर्च के संबंध में अंडरटेकिंग की कॉपी भी जमा करना होगा।

'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर ही 100 तीर्थ यात्रियों का चयन कर अनुदान दिया जाएगा। इस योजना के तहत बिहार के मूल निवासी लद्दाख जाकर सिंधु नदी की यात्रा करने के बाद सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

प्रतिबंधित उमानाथ घाट पर हजारों श्रद्धालुओं का स्नान, बैरिकेडिंग तोड़ बच्चे तेज धार में नहाते दिखे

एजेंसी, पटना

भैरव एकादशी के अवसर पर पटना जिले के बाढ़ स्थित प्रसिद्ध उमानाथ गंगा घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग प्रतिबंधित घोषित घाटों तक पहुंच गए, जिससे स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे। लगभग एक माह पहले इसी घाट पर हुए नाव हादसे में सात लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद प्रशासन ने उमानाथ के तीन प्रमुख घाटों में से दो को खतरनाक घोषित कर वहां आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी।

बैरिकेडिंग और चेतावनी के बावजूद घाटों पर पहुंची भीड़: हादसे के बाद प्रशासन की ओर से घाटों पर लाल कपड़े और बैरिकेडिंग लगाई गई थी। शुरुआती दिनों में निगरानी के लिए चौकीदारों की तैनाती और लाउडस्पीकर से चेतावनी भी दी जा रही थी। लेकिन भैरव एकादशी के धार्मिक महत्व को देखते हुए सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाट पहुंचने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई लोगों ने बैरिकेडिंग पार कर प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्नान किया।

बच्चे तेज धारा में दिखे, मौके पर नहीं दिखी निगरानी: स्थिति उस समय और चिंताजनक हो गई जब कुछ बच्चे नदी की तेज धारा के बीच तैरते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि उस समय घाट पर निगरानी के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल या कर्मी मौजूद नहीं थे। इसके अलावा, प्रतिबंध के बावजूद छोटी नावों के परिचालन की भी सूचना सामने आई, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई।

भैरव एकादशी पर उमड़ी भीड़, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

निर्जला एकादशी से पहले व्यवस्था की मांग: घटना के बाद उमानाथ मंदिर से जुड़े लोगों और स्थानीय नागरिकों ने आगामी निर्जला एकादशी के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए घाटों पर बेहतर प्रबंधन और सुरक्षा इंतजाम की मांग की है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि प्रतिबंध लागू होने के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोग घाट तक कैसे पहुंचे और निगरानी व्यवस्था क्यों प्रभावी नहीं दिखी।

संक्षिप्त समाचार

पिपराकोठी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 306.3 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ कार बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी। पिपराकोठी थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में एक कार से कुल 306.3 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई। पुलिस के अनुसार पिपराकोठी थाना क्षेत्र में शराब तस्करी की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम बंगरी में छापेमारी की गई। इस दौरान एक कार की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गई कुल 635 पीस अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 306.3 लीटर बताई गई है। पुलिस ने शराब के साथ कार को भी जब्त कर लिया है। मामले में संलिप्त तस्करों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए छानबीन की जा रही है। इस संबंध में उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई का नेतृत्व पिपराकोठी थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह ने किया। छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक शाहिल कुमार, संतोष कुमार जायसवाल सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

अवैध मिट्टी कटाई के खिलाफ बंजरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। बंजरिया थाना क्षेत्र के अजगरी गांव में अवैध रूप से मिट्टी की कटाई किए जाने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान चार ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक बलेनो कार, तीन मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन तथा एक देशी पिस्टल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 24 जून की रात गुप्त सूचना मिली थी कि अजगरी गांव में अवैध रूप से मिट्टी की कटाई की जा रही है। सूचना के आधार पर बंजरिया थाना पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मिट्टी से लदे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक बलेनो कार, तीन मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन तथा एक देशी पिस्टल बरामद किया गया। मौके से पुलिस ने अजगरी चुरिहरवा टोला निवासी मो. शकील तथा सुगौली थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर मधुमलती निवासी मो. हारूण राशीद को गिरफ्तार किया। पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि बरामद वाहनों और हथियार के संबंध में जांच की जा रही है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा अवैध मिट्टी कटाई में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

पॉक्सो मामले में एक अभियुक्त को कारावास एवं जुर्माने की सजा

बीएनएम@ मोतिहारी। फेनहारा थाना क्षेत्र से जुड़े पॉक्सो मामले में मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं आरोपपत्र के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक कुमार शिव शंकर प्रसाद सिंह ने बताया कि माननीय न्यायालय श्री रजनीश रंजन, एडीजे-7 सह विशेष पॉक्सो न्यायालय, मोतिहारी ने फेनहारा थाना कांड संख्या 46/23 (पीटीआर-75/23) में अभियुक्त आफताब अंसारी, पिता बच्चा अंसारी, निवासी फेनहारा, थाना फेनहारा, जिला पूर्वी चंपारण को विभिन्न धाराओं में दोषी पाते हुए सजा सुनाई। न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के तहत तीन वर्ष के कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 366(ए) के तहत पांच वर्ष के कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 504 एवं 506 के तहत छह-छह माह के कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा, पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 के तहत अभियुक्त को तीन वर्ष के कारावास तथा 50 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। यह फैसला मोतिहारी पुलिस द्वारा की गई अनुसंधान कार्रवाई, प्रस्तुत साक्ष्यों एवं आरोपपत्र के आधार पर सुनाया गया। न्यायालय के निर्णय के बाद अभियुक्त को नियमानुसार सजा भुगतने के लिए भेज दिया गया।

बैंगलोर में ट्रैक्टर हादसे में तुरकौलिया के मजदूर की मौत, शव पहुंचते ही गांव में मातम

बीएनएम@ तुरकौलिया। बैंगलोर में ईंट लदे ट्रैक्टर के पलट जाने से तुरकौलिया प्रखंड के एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान जयसिंहपुर बड़हरवा निवासी कमलेश कुमार के रूप में हुई है। बुधवार शाम शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार कमलेश कुमार करीब छह माह पूर्व रोजगार की तलाश में बैंगलोर गया था, जहां वह एक ईंट भट्ठा कंपनी में मजदूरी करता था। बताया जाता है कि वह ट्रैक्टर पर ईंट लादकर कहीं ले जा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद बुधवार शाम फ्लाइट और एम्बुलेंस के माध्यम से शव उसके पैतृक गांव लाया गया। शव के घर पहुंचते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की बहन रिकू कुमारी भाई की मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गई, जिसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पत्नी सीमा देवी पति के शव से लिपटकर बार-बार बेहोश हो रही थी। उनके दो पुत्र और एक पुत्री पिता के शव से लिपटकर विलाप करते रहे। यह दृश्य देखकर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। ग्रामीणों ने बताया कि कमलेश परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था। वह परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने, बहन की शादी कराने, छोटे भाई की पढ़ाई और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए दूसरे राज्य में मजदूरी कर रहा था। लेकिन अचानक हुई इस दुर्घटना ने परिवार के सभी सपनों को झकझोर कर रख दिया। मृतक के मिलनसार स्वभाव के कारण गांव में उसकी अच्छी पहचान थी। शव पहुंचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग उसके घर पहुंचे तथा शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। स्थानीय मुखिया विनोद सिंह ने कहा कि मृतक के परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

घोड़ासहन में 150 बोतल नेपाली शराब और चोरी की बाइक के साथ एक कारोबाड़ी गिरफ्तार

बीएनएम@ घोड़ासहन। स्थानीय पुलिस को नशा तस्करों के खिलाफ सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए धोबिनिया पोखर, श्रीपुर कसवा के पास से एक युवक को भारी मात्रा में नेपाली शराब और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली की नेपाल सीमा से शराब की एक खेप भारतीय क्षेत्र में लाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने धोबिनिया पोखर (श्रीपुर कसवा) के पास चेकिन अभियान चलाया इस दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई, तो उसके पास से 150 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 45 लीटर बताई जा रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रौशन कुमार के रूप में हुई है, जो स्थानीय थाना क्षेत्र के श्रीपुर कसवा निवासी गामी साह का पुत्र बताया जाता है। जांच के दौरान आरोपी के पास मौजूद मोटरसाइकिल भी चोरी की पाई गई है, जिसे पुलिस ने तत्काल जब्त कर लिया है। मामले की पुष्टि करते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित शराब और चोरी की बाइक को जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन से लोग शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

1 जुलाई से ग्रामीण रोजगार की नई गारंटी व्यवस्था लागू, चार जिलों के अधिकारियों को मिला प्रशिक्षण

125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी, समय पर काम नहीं मिलने पर मिलेगा बेरोजगारी भत्ता

बीएनएम@ मोतिहारी

ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत आगामी 1 जुलाई 2026, बुधवार से लागू होने वाले "विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) – वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025" के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को हुआ। इस कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा एवं उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण में पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज एवं शिवहर जिलों के कुल 51 पदाधिकारी एवं कर्मी भाग ले रहे हैं। मास्टर ट्रेनरों द्वारा अधिनियम की विभिन्न व्यवस्थाओं और क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अधिनियम का मूल उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को उनके गांव के निकट ही रोजगार उपलब्ध कराना तथा आजीविका सुरक्षा को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नए कानून को पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यह अधिनियम

मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, विकास योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन और सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण को नई गति मिलेगी। नए अधिनियम के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों के वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी प्रदान की जाएगी। यदि रोजगार मांगने के 15 दिनों के भीतर कार्य उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो संबंधित परिवार को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। इसके साथ ही मजदूरी भुगतान को साप्ताहिक अथवा अधिकतम 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। भुगतान में देरी होने पर निर्धारित प्रावधानों के तहत लाभार्थियों को क्षतिपूर्ति भी प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को बताया गया कि अधिनियम के अंतर्गत कुल 318 प्रकार के कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इनमें 107 कार्य जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा से संबंधित, 90 कार्य ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास के, 86 कार्य आजीविका अवसंरचना निर्माण के, 35 कार्य जलवायु अनुकूलन एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े हैं। इसके अलावा व्यक्तिगत लाभार्थी आधारित योजनाओं तथा निर्मित परिसंपत्तियों के रखरखाव को भी प्राथमिकता दी जाएगी। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि अधिनियम की भावना के अनुरूप योजनाओं को शत-प्रतिशत धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्रियान्वयन में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने संबंधित अधिकारियों को पंचायत स्तर पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को गति देने, डिजिटल प्रणाली के प्रभावी उपयोग तथा विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि 1 जुलाई से योजना का सफल और सुचारु संचालन किया जा सके। कार्यक्रम में निदेशक एनईपी डॉ. कुंदन कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मोतिहारी में 531 प्रशिक्षु सिपाहियों का दीक्षांत परेड समारोह संपन्न

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार पुलिस के "जनविश्वास संकल्प हमारा" अभियान के तहत बुधवार को मोतिहारी में प्रशिक्षु सिपाहियों का भव्य दीक्षांत परेड समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस उप-महानिरीक्षक, चंपारण क्षेत्र, बेतिया हरिकिशोर राय, जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात उपस्थित रहे। दीक्षांत परेड में जिले में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कुल 531 प्रशिक्षु सिपाहियों ने भाग लिया। प्रशिक्षुओं ने आकर्षक मार्च पास्ट के साथ अनुशासन, दक्षता एवं प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समारोह के दौरान प्रशिक्षण अवधि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु सिपाहियों को सम्मानित किया गया। वहीं, बाह्य एवं अंतःविषय के प्रशिक्षकों और

अनुदेशकों को भी उनके समर्पण, अथक प्रयास एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने नवप्रशिक्षित सिपाहियों को कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की सफलता जनता के विश्वास और संवेदनशील कार्यशैली पर निर्भर करती है। उत्साह और गरिमा से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित यह समारोह सम्मान वितरण एवं शुभकामनाओं के साथ संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के साथ की समीक्षात्मक बैठक

» पोलियो टास्क फोर्स की गहन समीक्षा, लापरवाही पर जवाब-तलब

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। उक्त बैठक में स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति, नियमित टीकाकरण अभियान तथा जिला पोलियो टास्क फोर्स की गतिविधियों की गहन समीक्षा की गई। डीएचएस स्थित आरोग्य सदन (पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन) में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। समीक्षा के दौरान पकड़ीदयाल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की

अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सिविल सर्जन को संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। वहीं, ढाका प्रखंड में नियमित टीकाकरण की अपेक्षाकृत कम उपलब्धि पर भी संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से जवाब-तलब करने के निर्देश दिए गए। बैठक के उपरांत जिलाधिकारी ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आईसीयू एवं पीकू वार्ड का जायजा लिया और अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, जैव-चिकित्सा कचरे के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निष्पादन तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीकाकरण सहित स्वास्थ्य विभाग की सभी योजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

सात माह पहले हो चुकी है शिक्षक की मौत, शिक्षा विभाग ने भेज दिया स्पष्टीकरण नोटिस

रामगढ़वा शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही, दिवंगत शिक्षक का नाम स्पष्टीकरण सूची में शामिल

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। रामगढ़वा प्रखंड शिक्षा कार्यालय की एक गंभीर लापरवाही सामने आई है, जिसने विभागीय कार्यशैली और रिकॉर्ड प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज नहीं होने के मामले में जारी स्पष्टीकरण सूची में एक ऐसे शिक्षक का नाम शामिल कर दिया गया, जिनका निधन करीब सात माह पूर्व ही हो चुका है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, रामगढ़वा द्वारा जारी पत्रांक 513 के तहत मई 2026 में अनुपस्थिति को लेकर विभिन्न शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों से साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण मांगा गया है। हैरानी की बात यह है कि इस सूची में शिक्षक रेयाज आलम का नाम भी शामिल है, जबकि उनका निधन 26 नवंबर 2025 को एक सड़क दुर्घटना में हो चुका है। वर्तमान में रक्सौल अनुमंडल

कल्याण पदाधिकारी राजीव कुमार रामगढ़वा के प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। विभागीय निर्देशों के अनुसार रिक्त बीईओ पदों पर पर्यवेक्षीय स्तर के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाती है। बावजूद इसके, बिना सत्यापन के जारी की गई सूची ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विभागीय नोटिस में संबंधित शिक्षकों को दो दिनों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया गया है। जवाब नहीं देने पर वेतन कटौती और अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। ऐसे में एक दिवंगत शिक्षक के नाम नोटिस जारी होना विभागीय अभिलेखों के अद्यतन नहीं होने और प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण माना जा रहा है। घटना के बाद शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि जब विभाग अपने शिक्षकों के सेवा अभिलेखों का सही रखरखाव नहीं कर पा रहा है, तो अन्य योजनाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की उम्मीद कैसे की जा सकती है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि इस गंभीर चूक के लिए जिम्मेदारी तय की जाती है या नहीं। साथ ही विभाग मृत, सेवानिवृत्त और स्थानांतरित शिक्षकों से संबंधित अभिलेखों की समीक्षा कर रिकॉर्ड को अद्यतन करता है या नहीं। यह मामला शिक्षा विभाग के लिए अपनी व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

मोतिहारी पुलिस की कार्रवाई, विभिन्न मामलों में 13 अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लंबित मामलों और वारंटों के निष्पादन को लेकर चलाए गए अभियान के तहत मोतिहारी पुलिस ने कुल 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी आरोपितों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार छतौनी थाना क्षेत्र में उत्पाद अधिनियम से संबंधित कांड संख्या 349/26 में एक अभियुक्त, कांड संख्या 250/26 में एक अभियुक्त, टीआर संख्या 2997/25 में एक अभियुक्त तथा 128 बीएनएसएस के अप्राथमिक मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकार छतौनी थाना पुलिस ने कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। वहीं, कोटवा थाना पुलिस ने टीआर संख्या 02/26 में दो अभियुक्त तथा टीआर संख्या 931/26 में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में कुल चार अभियुक्त पकड़े गए। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास से संबंधित कांड संख्या 323/25 में एक अभियुक्त, टीआर संख्या 484/24 में दो अभियुक्त, टीआर संख्या 1218/25 में एक अभियुक्त तथा उत्पाद अधिनियम से संबंधित कांड संख्या 278/26 में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकार कल्याणपुर थाना पुलिस ने कुल पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। जिले में अपराध नियंत्रण एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष अभियान लगातार जारी है।

शांतिपूर्ण तरीके से सद्भाव के वातावरण में मनाएं मुहर्रम का त्योहार : जिलाधिकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की संयुक्त अध्यक्षता में नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में बुधवार को आयोजित की गई। उक्त बैठक में जिले के सभी छह अनुमंडलों से शांति समिति के प्रतिनिधि शामिल हुए।बैठक की शुरुआत में जिलाधिकारी श्री यादव ने सभी प्रतिनिधियों से उनके क्षेत्रों में मुहर्रम की तैयारियों की जानकारी ली और संभावित समस्याओं के बारे में पूछा, ताकि समय रहते उनका समाधान किया जा सके। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि पूर्वी चंपारण अपनी गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है और इस बार भी मुहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि थाना और मंडल स्तर पर शांति समिति की बैठकें पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं तथा प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। अंजुमन इस्लामिया के प्रतिनिधियों ने बताया कि सभी ताजिया समितियों को ताजिया की ऊंचाई सीमित रखने और डीजे का प्रयोग पूरी तरह से नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में यह भी कहा गया कि जिन स्थानों पर ताजिया का मिलन होता है, वहां विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। शहर के जानपुल, ज्ञान बाबू चौक, मधुबन छावनी चौक और धर्म समाज चौक जैसे संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि मुहर्रम का पर्व 26 जून 2026, शुक्रवार को मनाए जाने की संभावना है, जो चांद दिखने पर निर्भर करेगी। उन्होंने बताया कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के 576 चिन्हित स्थलों पर

दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनमें मोतिहारी में 181, सुगौली में 129, पकड़ीदयाल में 48, अरेराज में 59, चकिया में 105 तथा रक्सौल में 54 स्थान शामिल हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि जिला और अनुमंडल स्तर पर 24 घंटे संचालित होने वाले कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। जिला कंट्रोल रूम का नंबर 06252-241800 है, जहां किसी भी प्रकार की सूचना देकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना लाइसेंस कोई भी जुलूस नहीं निकाला जाएगा। जुलूस निर्धारित समय और तय मार्ग से ही निकाले जाएंगे। संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं तथा ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जाएगी। सभी जुलूसों की वीडियोग्राफी कराने का निर्देश भी दिया गया है। जिलाधिकारी ने शांति समिति के सदस्यों से अपील की कि वे अभिभावक की भूमिका निभाते हुए जुलूस के साथ मौजूद रहें और प्रशासनिक निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने प्रत्येक समिति से स्वयंसेवकों की पहचान कर उनके नाम और मोबाइल नंबर स्थानीय थाने को उपलब्ध कराने को कहा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन उनका सहयोग ले सके। उन्होंने दोहराया कि डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा तथा लाउडस्पीकर के उपयोग की भी अनुमति नहीं होगी। प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र भ्रमण कर सूचनाएं एकत्र करेंगे और छोटी से छोटी घटना पर भी त्वरित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्देशों के उल्लंघन की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि मुहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रहेगी और असामाजिक तत्वों के किसी भी प्रयास को विफल कर दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा साइबर सेल और साइबर सेनानियों को सक्रिय कर दिया गया है। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से अपील की कि यदि कहीं से सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाले वीडियो या संदेश प्रसारित हों, तो तत्काल जिला प्रशासन और पुलिस को इसकी सूचना दें। उन्होंने बताया कि पुलिस बल लगातार गश्त करेगा और डायल-112 की टीम 24 घंटे सक्रिय रहेगी। किसी भी प्रकार के हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाई गई है तथा तलवार जैसे हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। असामाजिक तत्वों की पहचान कर बड़ी संख्या में लोगों को बाउंड डाउन किया गया है और यह कार्रवाई लगातार जारी है। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों और थाना प्रभारियों ने बताया कि जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन कर लिया गया है और समितियों को निर्धारित मार्ग का पालन करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, नगर आयुक्त आशीष कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न थाना प्रभारी तथा शांति समिति के सदस्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

शादी समारोह में शराब पीकर हंगामा, दो गिरफ्तार; पोषण वाद का अभियुक्त भी दबोचा

बीएनएम@ हरसिद्धि, पूर्वी चंपारण। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान शराब के नशे में हंगामा करने के आरोप में पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में हरसिद्धि थाना कांड संख्या 324/26 दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में पश्चिमी चंपारण जिले के मंझोलिया थाना क्षेत्र के बैठनिया निवासी दीनानाथ यादव तथा अफरोज आलम शामिल हैं। दोनों पर बारात में शराब पीकर हल्ला-हंगामा करने का आरोप है। वहीं, एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने पारिवारिक पोषण वाद संख्या 24/07 के अभियुक्त मो. अबुलेश को भी गिरफ्तार किया है। वह हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मठ लोहियार गांव का निवासी है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

मंदिर में दान पेटी तोड़कर चोरी का प्रयास, युवक गिरफ्तार

बीएनएम@ योगापट्टी: श्रीनगर थाना क्षेत्र की भवानीपुर पंचायत (वार्ड संख्या 09) स्थित जगदम्बापुर के रामजानकी मंदिर में बुधवार सुबह करीब 9 बजे चोरी का एक मामला सामने आया। यहाँ एक युवक मंदिर की दान पेटी तोड़कर नकदी चुरा रहा था। इसी दौरान मंदिर के पुजारी दर्शन दास की नजर उस पर पड़ गई। पुजारी द्वारा रोकने का प्रयास करने पर दोनों के बीच झड़प भी हुई।पुजारी का शोर सुनकर मंदिर परिसर में मौजूद स्थानीय लोग तुरंत वहाँ जुट गए और उन्होंने मामले की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और युवक को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए युवक ने अपना नाम प्रबेश (पिता- शहीद गदी) बताया है, जो बैरिया प्रखंड के तुमकड़िया गांव का निवासी है। पुलिस मामले की जाँच और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भाजपा सांसद ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

शेखपुरा के विकास मुद्दों पर की चर्चा

बीएनएम@ शेखपुरा: भाजपा के राज्यसभा सांसद शंभू शरण पटेल ने मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शेखपुरा जिले सहित प्रदेश के विभिन्न विकासात्मक और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।सांसद ने मुख्यमंत्री के समक्ष शेखपुरा में पेयजल संकट, जर्जर सड़कों का निर्माण, सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार जैसी मांगें प्रमुखता से रखीं। उन्होंने लंबित विकास योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इन समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

शेखपुरा में सिपाही भर्ती परीक्षा संपन्न, सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

बीएनएम@ शेखपुरा: केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) परीक्षा जिले के छह निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय रहा। जिले में इसके लिए डीएम हाई स्कूल, संस्कार पब्लिक स्कूल, उषा पब्लिक स्कूल, रामाधीन महाविद्यालय, इस्लामिया हाई स्कूल तथा मुरलीधर मुरारका हाई स्कूल को केंद्र बनाया गया था।जिलाधिकारी शेखर आनंद ने पूर्व में ही तैयारियों की समीक्षा कर सख्त निर्देश जारी किए थे, वहीं पुलिस अधीक्षक हिमांशु स्वयं केंद्रों का क्रमवार निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे। कदाचारमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा से पहले होटलों, बस स्टैंडों और रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी और प्रवेश पत्र व पहचान पत्रों के गहन सत्यापन के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी गई। प्रशासन की इसी मुस्तैदी के कारण परीक्षा बिना किसी व्यवधान के व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

कार ने भैंस को मारी टक्कर,एक घायल

बीएनएम@ बगहा: बगहा पुलिस जिला के अंतर्गत गंडक पार स्थित धनहा-बांसी मुख्य पथ पर बुधवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। दौनाहा चौक के समीप बांसी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर अचानक सामने आई एक भैंस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और नवकटोला दौनाहा निवासी बाबुनंद चौहान की भैंस गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर गई।इस दुर्घटना के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत यह रही कि कार में सवार नरकटियागंज के चारों शिक्षक समय रहते सुरक्षित बाहर निकल गए और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही धनहा थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि घायल भैंस का इलाज कराया जा रहा है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय औसत से भी कम हुई बिहार में बेरोजगारी दर: राजीव रंजन प्रसाद

बीएनएम@ पटना। जनता दल (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी नीतियों के कारण बिहार विकास और गरीबी उन्मूलन का एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में बेरोजगारी दर घटकर 3 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो 3.2 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से भी कम है।प्रवक्ता ने आर्थिक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि पिछले दो दशकों में बिहार का मानव विकास सूचकांक 0.485 से बढ़कर 0.614 हो गया है। इसके अलावा, नीति आयोग के अनुसार वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच राज्य में बहुआयामी गरीबी में 18.13% की रिकॉर्ड कमी आई है। वर्ष 2004 में जहां प्रति व्यक्ति आय 5,780 रुपये थी, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 76,490 रुपये हो गई है। उन्होंने भरोसा जताया कि वर्तमान एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन के साथ विकास पथ पर और तेजी से आगे बढ़ेगा।

1 जुलाई से मॉडल स्कूल में अस्थायी रूप से शुरू होगा केंद्रीय विद्यालय

तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा

बीएनएम@ शेखपुरा: शेखपुरा जिले के छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ी और अच्छी खबर है। आगामी 1 जुलाई 2026 से शहर के मॉडल स्कूल परिसर में अस्थायी रूप से केंद्रीय विद्यालय का संचालन शुरू होने जा रहा है। इसी सिलसिले में बुधवार को जिला पदाधिकारी (डीएम) शेखर आनंद ने मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बिहार स्टेट एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा कराए जा रहे भवन मरम्मत, बाउंड्री वॉल, बिजली-पानी और सौंदर्यीकरण के कार्यों की समीक्षा की। निर्माण कार्यों की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए डीएम ने संबंधित एजेंसी और अधिकारियों को अगले 48 घंटे के भीतर सभी लंबित कार्य हर हाल में पूरे करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की पढ़ाई और बुनियादी सुविधाओं से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

50 से अधिक फरियादियों की सुनीं समस्याएं

बीएनएम@ गयाजी। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित दैनिक जनता दरबार में जिलाधिकारी (डीएम) शशांक शुभंकर ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 50 से अधिक आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान भूमि विवाद, आवास योजना, पेंशन, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग से जुड़े मामले सामने आए।बोधगया मोचरिम के एक आवेदक ने भू-माफियाओं द्वारा परवाना की जमीन पर जबरन कब्जा करने की शिकायत की, जिस पर डीएम ने डीसीएलआर सदर को 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

कंटेनर के गुप्त तहखाने से 339 किलो गांजा बरामद, चालक गिरफ्तार

बीएनएम@ रक्सौल

रक्सौल में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर से भारी मात्रा में गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। यह कार्रवाई हरैया थाना क्षेत्र के बायपास रोड ओवरब्रिज के पास गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि नेपाल से आईसीपी मार्ग के जरिए एक कंटेनर में मादक पदार्थ की बड़ी खेप छपरा ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में संयुक्त जांच अभियान शुरू किया गया। जांच के दौरान संदिग्ध कंटेनर संख्या BR01GN4353 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में चालक के बगल में बनाए गए एक गुप्त तहखाने से 22 पैकेट मादक पदार्थ बरामद हुए। बरामद पदार्थ का कुल वजन 339.36 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस ने मौके से कंटेनर चालक मनोज भगत (पिता- घुरन भगत), निवासी बुद्धीमानपुर, थाना देवरिया, जिला मुजफ्फरपुर को गिरफ्तार कर लिया। उसे हरैया थाना लाकर पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क की अन्य कड़ियों की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किन लोगों तक की जानी थी। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रक्सौल मनीष कुमार आनंद, अंचल पुलिस निरीक्षक छौड़ादानो रंजय कुमार, राजस्व अधिकारी रक्सौल अरविंद कुमार, हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान, परि०पु०अ०नि० कुमारी बिट्टु, पीटीसी बिरेन्द्र कुमार आजाद तथा सिपाही मिथुन कुमार मांझी शामिल रहे। पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई को क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध बड़ी सफलता माना जा रहा है।

आपदा पीड़ितों का सरकारी संसाधनों पर पहला अधिकार : रत्नेश सदा

बीएनएम@ पटना

पटना स्थित जनता दल (यू) प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए आम लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने फरियादियों की शिकायतों के त्वरित और विधिसम्मत समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी उपस्थित रहे।मीडिया से बातचीत में मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि नीतीश सरकार आम जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार संभावित बाढ़ और सुखाड़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। आपदा प्रबंधन विभाग ने राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी जरूरी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था कर ली है। मंत्री ने कहा कि आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों का सरकारी संसाधनों पर पहला अधिकार है और संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों को हरसंभव समय पर सहायता पहुंचाना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभागों को भी अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नेपाल सीमा से लाई जा रही 39 किलो गांजा की खेप बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ चिरैया

चिरैया थाना क्षेत्र में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। खोड़ा गांव में की गई छापेमारी के दौरान 39 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जबकि एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान खोड़ा गांव निवासी असेसर गिरी, पिता सुरेंद्र गिरी, के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से गांजे की बड़ी खेप बरामद कर उसे हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत कई लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई नेपाल सीमा से संचालित मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ विशेष अभियान के तहत की गई। पूछताछ के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गांजे की खेप नेपाल से किन माध्यमों से लाई गई और इसके पीछे कौन-सा गिरोह सक्रिय है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि इस कार्रवाई से नेपाल सीमा के रास्ते बिहार में सक्रिय नशा तस्करों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ाई गई चौकसी और प्रभावी निगरानी के कारण तस्करों की गतिविधियों पर लगातार अंकुश लगाया जा रहा है। चिरैया थाना पुलिस ने बरामद गांजे को जब्त कर लिया है तथा आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की गहन जांच जारी है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सोनू सिंह की हत्या पर सवर्ण मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

10 लाख मुआवजे की मांग

बीएनएम@ समस्तीपुर

समस्तीपुर के कर्पूरीग्राम में हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना में मृत सोनू सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए बुधवार को 'अखिल भारतीय सवर्ण सह अपराध विरोधी मोर्चा' के तत्वावधान में एक शोकसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह ने की। सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह ने कहा कि सोनू सिंह अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य और अपनी वृद्ध माँ के इकलौते पुत्र थे। उनके असामयिक निधन से उनका परिवार गहरे संकट में आ गया है। मृतक अपने पीछे दो छोटे-छोटे बच्चे छोड़ गए हैं, जिनके सामने अब गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं।मोर्चा ने बिहार सरकार और जिला प्रशासन से मानवीय आधार पर पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने तथा बच्चों की शिक्षा व भविष्य की सुरक्षा के लिए विशेष सरकारी सहायता प्रदान करने की मांग की। शोकसभा के बाद प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। इस अवसर पर किशोरी प्रसाद सिंह, डॉ. आर.के. दिवाकर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं निर्दलीय उम्मीदवार चेतना झा के माता-पिता ने भी शोकाकुल परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

रामगढ़वा-रक्सौल एनएच पर भीषण सड़क हादसा, मां-बेटी की मौत, तीन गंभीर घायल

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा-रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग पर भलुवहिया चौक स्थित फ्लाईओवर के पास मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया और मुआवजे तथा सुरक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आमोदेई स्थित रिपु राज राइस मिल से चावल लादकर जा रहा ट्रक (संख्या- RJ14GJ0840) तेज गति से रक्सौल की ओर जा रहा था। फ्लाईओवर पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे वाहन का इंतजार कर रहे लोगों पर चढ़ गया। हादसे में भलुवहिया निवासी मुन्नी देवी (55 वर्ष), पति यादोलाल पटेल तथा उनकी पुत्री सीमांतर देवी (36 वर्ष), पति शशि पटेल, निवासी सिहोरवा की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों ट्रक के नीचे दब गई थीं। वहीं तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने घायलों की स्थिति चिंताजनक बताई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार चालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को घटनास्थल पर बुलाने की मांग करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और सुरक्षा उपायों की कमी बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए ट्रक में लदे चावल के बोरे हटवाकर दबे लोगों को निकालने में सहयोग किया। बीडीओ राकेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में जिलाधिकारी से बातचीत हुई है। जिलाधिकारी ने दुर्घटना स्थल की जांच कराकर वहां जल्द ही अंडरपास निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस और प्रशासन की टीम लोगों को समझाकर यातायात बहाल कराने में जुटी हुई थी।

बाल श्रमिक आयोग के नए कार्यालय का उद्घाटन

तीन महीने में पंचायतों को 'बाल श्रम मुक्त' बनाने का लक्ष्य

बीएनएम@ पटना

बिहार में बाल श्रम उन्मूलन अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राजधानी पटना में 'बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग' के नवीकृत कार्यालय का उद्घाटन किया गया। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने इसका उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य सरकार बाल श्रम के खिलाफ शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की नीति पर काम कर रही है। सरकार ने आगामी तीन महीनों के भीतर राज्य के प्रत्येक प्रखंड की तीन-तीन पंचायतों को पूरी तरह 'बाल श्रम मुक्त पंचायत' बनाने का एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।इस अवसर पर आयोजित समीक्षा बैठक में बाल श्रमिकों के संरक्षण, पुनर्वास और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने बताया कि जागरूकता अभियानों और प्रशासनिक कार्रवाइयों के चलते राज्य में बाल श्रम के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिए केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं, बल्कि इसमें समाज के सभी वर्गों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। सरकार की इस नई कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों को मजदूरी से दूर कर शिक्षा और एक बेहतर सुरक्षित भविष्य से जोड़ना है।

डीएम ने की भूमि विवाद और मद्य निषेध की समीक्षा

बीएनएम@ शेखपुरा

समाहरणालय स्थित मंथन सभागार में जिला पदाधिकारी (डीएम) शेखर आनंद की अध्यक्षता में भूमि विवाद, मद्य निषेध और नीलामपत्रवाद से जुड़े मामलों की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 26 मई से 23 जून 2026 तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीएम ने भूमि विवाद के लंबित आवेदनों का समय सीमा के भीतर निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस अवधि में प्राप्त कुल 2030 आवेदनों में से 1990 का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 33 प्रक्रियाधीन और 7 अस्वीकृत मामलों की गहन जांच कर शीघ्र निष्पादन करने को कहा गया है। मद्य निषेध कानून की समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक की अनुपस्थिति और गलत प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने स्पष्टीकरण का आदेश दिया। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को सघन अभियान चलाकर शराब जब्ती और उसके विनष्टीकरण में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिले के सभी वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

"यज़ीद नफ़्स है तो हजरत इमाम हुसैन रूह है" : जिक्रे

» शोहदा-ए-कर्बला कॉन्फ्रेंस में गूंजा इंसानियत, सब्र और इंसाफ़ का पैग़ाम

बीएनएम@ तुरकौलिया

शंकर सरैया चौक स्थित टिकैता गांव में जिक्रे शोहदा-ए-कर्बला कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन किया गया। मुहर्रम के पवित्र महीने के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम 23 जून से 27 जून तक चल रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्बला के शहीदों, विशेष रूप से हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) एवं उनके साथियों की महान कुर्बानियों को याद करना तथा उनके जीवन से इंसानियत, सत्य, न्याय, सब्र, त्याग और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की शिक्षा ग्रहण करना है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से ओलमा और शोअरा शामिल हुए। हिन्दुस्तान के मशहूर शायर जनाब सोहराब रज़ा कादरी ने अपने कलाम में कहा अल्लाह के करम का ख़ज़ाना हुसैन हैं, जो सूखता नहीं, वो दरिया हुसैन हैं। हैवानियत की आखिरी मंजिल पे था यजीद इंसानियत का अर्शे मुअल्ला हुसैन है। वहीं शायर सोहराब खान ने अपने संबोधन में कहा कि "यज़ीद मर गया, हुसैन ज़िंदा हैं।" उन्होंने कहा कि कर्बला केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि सत्य, इंसाफ़, सब्र और कुर्बानी का अमर संदेश है। जुल्म और अत्याचार समय के साथ समाप्त हो जाते हैं, लेकिन इंसानियत और हक़ के लिए दी गई कुर्बानियाँ सदैव जीवित रहती हैं। इस अवसर पर मौलाना इस्लामुद्दीन अय्यूबी मुजफ्फरपुरी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) ने सत्ता के लिए नहीं, बल्कि इंसानियत, दीन, न्याय और सत्य की रक्षा के लिए अपनी और अपने परिवार की कुर्बानी पेश की। कर्बला हमें यह सिखाती है कि अगर पूरी दुनिया भी जुल्म के साथ खड़ी हो जाए, तब भी हक़ और इंसाफ़ का दामन नहीं छोड़ना चाहिए। इमाम हुसैन (अ.स.) पूरी इंसानियत के लिए सब्र, त्याग, साहस और भाईचारे की मिसाल हैं। मौलाना गुलाम रब्बानी मिस्बाही ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) ने इंसानियत को यह संदेश दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, सत्य और न्याय का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। कर्बला हमें सब्र, त्याग, भाईचारे और अत्याचार के विरुद्ध डटकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम में मौलाना मुदस्सिर हुसैन अलीमी, मौलाना आरिफ हुसैन सहित कई ओलमा ने इमामे हुसैन (अ.स.) की जिंदगी और कर्बला की कुर्बानी पर प्रकाश डालते हुए लोगों को इंसाफ़, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। इस दौरान नारे-ए-तकबीर, नारे-ए-रिसालत और "या हुसैन, या हुसैन" के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम में मुर्तुजा हुसैन, फैयाज आलम, सद्दाम हुसैन, नौशाद आलम, मोख्तार आलम, फिदा हुसैन सहित सैकड़ों अकीदतमंद मौजूद रहे।

आपसी कड़वाहट और अविश्वास की भावना

भाजपा का मुकाबला करने के लिए बना इंडिया गठबंधन आज उद्देश्यहीन नजर आता है। आपसी समझ, समन्वय, और साझापन की भावना गहराने के बजाय उसमें आपसी कड़वाहट और अविश्वास की भावना बढ़ी है। इंडिया एलायंस की बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े शिव सेना नेता उद्धव ठाकरे ने पूछा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) जैसी ऑनलाइन परिघटना क्यों लोगों का ध्यान खींचने में सफल रही, जबकि विपक्ष ऐसा नहीं कर पाया है? क्या इसलिए कि क्या लोगों का "हम में" भरोसा नहीं रहा? इक_I हुए 23 विपक्षी दलों के नेता इस सवाल पर गंभीरता से आत्म-निरीक्षण करते, तो लंबे अंतराल के बाद हुई गठबंधन की बैठक किसी अधिक सार्थक नतीजे पर पहुंच पाती। हकीकत यही है कि सर्व-सत्तावान होती गई भाजपा का मुकाबला करने के लिए तीन साल पहले बना ये गठबंधन आज उद्देश्यहीन हो गया नजर आता है। गुजरे वक्त के साथ आपसी समझ, समन्वय, और साझापन की भावना गहरी होने के बजाय गठबंधन में आपसी कड़वाहट और अविश्वास की भावना ज्यादा फैली हुई है। क्षेत्रीय दलों में कांग्रेस के व्यवहार को लेकर नाराजगी बढ़ी है और उसकी मंशा पर संदेह गहराया है। सोमवार की बैठक से ठीक पहले सीपीएम महासचिव एम.ए. बेबी ने सभी घटक दलों को पत्र लिखकर केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ राहुल गांधी की आक्रामक भाषा पर अपनी नाराजगी जताई। उसके पहले तमिलनाडु में कांग्रेस के 'विश्वासघातÓ से 'आहतÓ डीएमके बैठक के बहिष्कार का एलान कर चुका था। उससे भी पहले कांग्रेस से नाराजगी के कारण आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन से हटने का फैसला ले चुकी थी। सीजेपी परिघटना पर कांग्रेस समर्थक सोशल मीडिया हैंडल्स ने जिस तरह आक्रमण किया, उससे भी कई विपक्षी दल हैरत में पड़े। बैठक में ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी दलों को सिविल सोसायटी के आंदोलनों की आलोचना करने के बजाय उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। जाहिरा तौर पर इस टिप्पणी का उपरोक्त संदर्भ ही था। तीन साल पहले गठबंधन की एक कमी यह बताई गई थी कि उसके पास ठोस नीति एवं कार्यक्रम एवं कार्यक्रम का अभाव है। अब जबकि दलों के बीच का मन-मुटाव जग-जाहिर है, तो वो मुद्दा पृष्ठभूमि में चला गया है। उनका आपसी अविश्वास मुख्य मुद्दा बन गया है। इस माहौल के कारण ही गठबंधन ने जो पांच सूत्री फैसले लिए, उन्हें महज खानापूरी समझा गया है।

मोदी के कार्यकाल के बारह वर्षों ने समूची दुनिया को भारत को अलग नज़रिए से देखने के लिए प्रेरित कि

लक्ष्मी पुरी

उन्होंने स्वयं को एक अत्यंत बेहतरीन संकट-प्रबंधक के रूप में प्रमाणित किया है। केवल उनके दृढ़ संकल्प, साहस और सावधानीपूर्वक की गई कार्रवाई के बल पर ही 1.4 बिलियन भारतीयों का महामारी जैसी सदी की भीषणतम आपदा से सुरक्षित निकालना तथा उस आपदा को अवसर में बदलना संभव हुआ। वह अब भारत का नेतृत्व ऐसे समय में कर रहे हैं, जब वैश्विक भूराजनीतिक और भू-आर्थिक व्यवस्था खतरनाक उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह उपलब्धि उनकी भी है और भारत की भी: उनसेपहले किसी ने भी इस लोकतंत्र मेंलगातार इतने लंबे समय तक शासन नहीं किया और न ही इतनी प्रतिस्पर्धी राजनीति के बीच किसी ने लगातार तीन बार चुनावी जीत हासिल की है। हालाँकि, रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने क्या कार्य किया है : अपने कार्यकाल के प्रत्येक मिनट के पूरे साठ सेकेंड का भारत के लिए पूरी ऊर्जा के साथ उपयोग करते हुए उसे सार्थक बनाया, उनके इन बारह वर्षों का प्रत्येक वर्ष 365 दिनों की उपलब्धियों से चिह्नित रहा, और इसी दौरान उस नए, गतिशील भारत का निर्माण हुआ, जिसे आज दुनिया एक अलग नजरिए से देख और समझ रही है। मैंने अपनी कामकाजी जिंदगी फील्ड में, राजधानियों में, बोर्ड और कॉन्फ्रेंस रूम में तथा संयुक्त राष्ट्र में बिताई है—जहाँ देशों के बारे में दुनिया अपनी राय कायम करती है। बीते एक दशक जो परिवर्तन आया है, वह मेरे द्वारा देखे गए परिवर्तनों में सबसे अधिक उल्लेखनीय है: भारत के प्रति पहले जो उपेक्षापूर्ण दृष्टिकोण हुआ करता था, उसकी जगह अब प्रतिस्पर्धी रुचि, सीखने की इच्छा ने ले ली है, दुनिया भारत के उस परिवर्तन को विस्मय से देख रही है, जिसमें वह एक 'सिद्धांतों के आधार पर आपत्ति दर्ज करने वालेÓ और 'व्यवस्था को स्वीकार करने वालेÓ देश की जगह अब 'व्यवस्था को आकार देने वालेÓ देश के रूप में उभरा है, आज भारत बहुआयामी कूटनीतिक सहभागिता और रणनीतिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहा है। वह न केवल अपने प्रभाव का उपयोग अपने विचारों के समर्थन में कर रहा है, बल्कि अपने विचारों के समर्थन को भी शक्ति में परिवर्तित कर रहा है।

दुनिया इस शख्सियत का सही आकलन करती है: उन्हें सत्ता विरासत में नहीं मिली; उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सर्वोच्च पद तक का सफर बिना किसी पारिवारिक नाम के सहारे, रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर बीते बचपन से तय किया; उन्होंने भारत के कोने-कोने की यात्रा की, लोगों को समझा, उनके साथ बैठकर भोजन किया, उनके सुख-दुःख में भागीदार बने और जमीनी स्तर से अपना राजनीतिक जीवन निर्मित किया। वंशानुगत सत्ता और विशेषाधिकार प्राप्त उत्तराधिकार से ऊब चुकी दुनिया में, ऐसे नेता की छवि अधिक भरोसेमंद होती है, जिन्होंने अपनी पहचान स्वयं गढ़ी हो। वह भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने देश की सभ्यतागत पहचान को अपनी पहचान के रूप में धारण किया है, न कि उसके प्रति क्षमायाचना का भाव रखा है अथवा विदेशी वेशभूषा और दृष्टिकोण अपनाकर स्वयं को किसी अन्य रूप में प्रस्तुत किया है।

वैश्विक जनमत का आकलन करने वाले सर्वेक्षण इस बात से सहमत है: वर्षों से श्री मोदी लोकतांत्रिक नेताओं की मॉर्निंग कंसल्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, उनकी स्वीकृति दो-तिहाई से अधिक रही है, जो पश्चिमी नेताओं से काफी आगे है। प्यू के सर्वेक्षणों के अनुसार, दस में से आठ भारतीय उनके प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं, और वे अपने देश की दिशा से अधिकांश परिपक्व लोकतंत्रों की तुलना में अधिक संतुष्ट हैं। सरकारें इस बात से सहमत हैं : उन्होंने 19 विदेशी संसदों को संबोधित किया है और लगभग 30 देशों के राजकीय सम्मान प्राप्त किए हैं, जिनमें से कई उन देशों के सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं।

अपने लोगों से वह सीधे संवाद करते हैं, हर महीने 'मन की बातÓ के माध्यम से अपने मन और हृदय की बात खुलकर रखते हैं; जबकि अन्य देशों के नेताओं के साथ उनका व्यवहार ऐसा है, जिसने वाशिंगटन और मॉस्को, खाड़ी देशों और यूरोप—सबको एक साथ किसी अद्भुत 'जादुई प्रभावÓ के साथ जोड़कर रखा है।

भारत अब मॉडल आयात करने के बजाय उन्हें निर्यात कर रहा है। उसकी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना दुनिया के लगभग आधे रियल-टाइम भुगतान को संचालित करती है और लाखों खातों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाती है। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी के चंगुल से बाहर आए हैं: 'अंत्योदयÓ, जो राज्य के संचालन का आधारभूत सिद्धांत है, केवल एक नारा भर नहीं, बल्कि ऐसा सिद्धांत है, जो सुनिश्चित करता है कि कोई भी पीछे न छूटे और सबसे पीछे खड़े व्यक्ति तक पहले सहायता पहुँचे, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र के 'एजेंडा 2030Ó ने भी आह्वान किया है। यदि किसी नेता ने इस सिद्धांत के अनुरूप वास्तव में शासन किया है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी हैं। महामारी के दौरान भारत ने 2 बिलियन से अधिक टीके लगाए, 800 मिलियन लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया, लगभग 100 देशों को वैक्सीन और 150 देशों को दवाएँ उपलब्ध कराईं। संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें 'चैंपियन ऑफ द अर्थÓ के रूप में नामित किया, जबकि गेट्स फाउंडेशन ने गरीबी, भूख, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, ऊर्जा और जलवायु में मापनीय प्रगति के लिए उन्हें सतत विकास लक्ष्यों के 'ग्लोबल गोलकीपरÓ के रूप में नामित किया; यूनिसेफ और यूएन विमेन ने भी महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण से संबंधित उनके प्रयासों की सराहना की है, जिनमें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओÓ और संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण जैसी पहलें शामिल हैं। उनके लक्षित और बहु-क्षेत्रीय कार्यक्रम महिलाओं और लड़कियों के जीवन में —घर से कॉलेज तक, छोटे कियोस्क से कॉर्पोरेट जगत तक, स्थानीय शासन से संसद तक संरचनात्मक बदलाव लाए हैं। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को नैतिक और सामाजिक न्याय की अनिवार्यता के रूप में आगे बढ़ाया है, जो देश की आधी आबादी की क्षमता को सक्रिय करने के लिए अपरिहार्य है। कोई भी राष्ट्र सशक्त महिलाओं के बिना आगे नहीं बढ़ सकता; भारत अब इस सत्य को एक महाद्वीप-स्तरीय व्यापकता के साथ लागू कर रहा है। उन्होंने भारतीयों के भीतर 'भारतीय होनेÓ का गर्व पुनः स्थापित किया है—देश के भीतर भी और दुनिया भर में फैले 3.5 करोड़ प्रवासी भारतीयों में भी - जो विश्व का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। राष्ट्र एकजुट होकर आगे बढ़ा है: महामारी के दौरान सामूहिक संकल्प में, 'ऑपरेशन सिंदूरÓ के बाद सशस्त्र बलों के समर्थन में, और महाकुंभ में, जहाँ 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मानव इतिहास के सबसे बड़े समागम का हिस्सा बने। ये सभी प्रतीक समाज को एक सूत्र में बाँधने वाली बातों को दर्शाते हैं: राष्ट्रपति भवन में जनजातीय महिला; क्षेत्र-दर-क्षेत्र उनका पगड़ी, टोपी या जनजातीय लोगों के पारंपरिक सिरोभूषण को सम्मान और स्नेह के साथ धारण करना; 'मन की बातÓ और पद्म पुरस्कारों के माध्यम से गाँवों के लोगों को नायक बनाना; आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत 200 मिलियन घरों में तिरंगे का फहराना; 'वंदे मातरम्Ó के 150 वर्ष का उत्सव; स्वच्छ भारत अभियान के तहत 110 मिलियन शौचालयों का निर्माण,जो एक जन-आंदोलन बना; और एक भारत, विविधता को एक सूत्र में पिरोते हुए हर क्षेत्र का सम्मान किया गया है। मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने भारत की अग्रणी शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया और उसे व्यवहार में भी उतारा है: सैन्य और आर्थिक शक्ति, परमाणु और अंतरिक्ष क्षमताएँ, वैश्विक व्यवस्थाओं में निर्णायक भूमिका तथा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाओं में नियमों, मानकों और नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता, उद्देश्यपूर्ण ढंग से निर्मित और सफलतापूर्वक विकसित किया गया कूटनीतिक, अनुसंधान एवं विकास और तकनीकी संसाधनों का मजबूत आधार, साथ ही भारत की सॉफ्ट पावर को पहले से कहीं अधिक प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया गया है। यद्यपि वैश्विक स्तर पर वह संवाद के माध्यम से शांति और सुरक्षा के पक्षधर है, लेकिन आतंकवाद के मुद्दे पर —उरी से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूरÓ तक—उनकी 'कतई बर्दाश्त न करने की नीतिÓ है। सबसे बढ़कर, उन्होंने स्वयं को एक अत्यंत बेहतरीन संकट-प्रबंधक के रूप में प्रमाणित किया है।

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में पीएम-ऊषा की महा-क्रांति

विष्णु प्रसाद वर्मा

-भौगोलिक दूरियां होंगी खत्मः वनांचलों से लेकर शहरों तक पहुंच रही आधुनिक शिक्षा

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा जगत में एक नए युग का सूत्रपात हो चुका है। वर्ष 2014 से 2026 के बीच केंद्र सरकार से मिली प्रमुख स्वीकृतियों और सौगातों की श्रृंखला में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-ऊषा) राज्य के लिए वरदान साबित हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के प्रभावी क्रियान्वयन, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की नैशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल ग्रेडिंग में सुधार, और अनुसंधान के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा भारी-भरकम वित्तीय अनुदान की स्वीकृति दी गई है। यह योजना पूर्ववर्ती राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान का ही एक परिष्कृत और अधिक उन्नत रूप है।

अधोसंरचना विकास के लिए मिला मेगा बजटः इस योजना के तहत देश भर के लिए कुल 12,926.10 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस विशाल बजट का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा छत्तीसगढ़ के हिस्से आया है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में चयनित पात्र शासकीय विश्वविद्यालयों को मल्टी-डिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ के अंतर्गत प्रति संस्थान 20 करोड़ से लेकर 100 करोड़ रुपए तक का भारी-भरकम अनुदान मिल रहा है। वहीं, चिन्हित शासकीय महाविद्यालयों को बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए 5 करोड़ रुपए तक का प्रोजेक्ट-बेस्ड अनुदान स्वीकृत किया जा रहा है। इस वित्तीय भार का वहन केंद्र और राज्य सरकार द्वारा 60:40 के अनुपात (60 प्रतिशत केंद्रांश और 40 प्रतिशत राज्यांश) में किया जा रहा है।

धरातल पर उतरी योजनाः स्मार्ट क्लासरूम और आधुनिक लैब का निर्माण जारीः छत्तीसगढ़ में यह योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि धरातल पर तेजी से प्रगति कर रही है। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन निष्पादित किया जा चुका है। वर्तमान में, चयनित कॉलेजों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर पोर्टल पर अपलोड की जा रही है। इसके साथ ही, राज्य के शिक्षण संस्थानों में स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक लैब, और कंप्यूटर सेंटर जैसे अत्याधुनिक अधोसंरचना निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

बस्तर से सरगुजा तक सभी 33 जिलों को मिल रहा है सीधा लाभः पीएम-ऊषा योजना का सबसे खूबसूरत पहलू इसका समावेशी होना है। इस परियोजना का लाभ छत्तीसगढ़ के समस्त 33 जिलों को मिल रहा है। योजना के तहत विशेष रूप से राज्य के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों और दूरस्थ अंचलों जैसे बस्तर संभाग और सरगुजा संभाग,कम सकल नामांकन अनुपात वाले क्षेत्रों,आकांक्षी जिलों जैसे धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद आदि के शासकीय कॉलेजों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया गया है, ताकि विकास की दौड़ में पीछे छूटे क्षेत्रों को मुख्यधारा में लाया जा सके।

5 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के सपनों को उड़ानः इस दूरदर्शी परियोजना से राज्य के विभिन्न शासकीय शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत लगभग 5 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना का सबसे बड़ा फायदा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों, अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और महिला वर्ग के छात्र-छात्राओं को मिल रहा है। अब छत्तीसगढ़ के वनांचलों और दूरदराज के गांवों के युवाओं को भी वैश्विक स्तर की आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान की सुविधाएं अपने ही राज्य में सुलभ हो रही हैं, जो उनके सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रख रही हैं।

लेखक सहायक संचालक हैं

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज किसी विशेष काम के प्रति आपकी बहुत अधिक मेहनत होगी तथा उसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। अगर प्रॉपर्टी से जुड़ा काम रुका है, तो उससे संबंधित फैसले लेने का उचित समय है। धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। आज अधिकारियों से वार्तालाप करते समय अपनी मान प्रतिष्ठा का विशेष ध्यान रखें। शुभ अंक- 1

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज वित्तीय योजनाओं से जुड़े कामों पर ध्यान देंगे। आज आपको किसी काम में विशेष फायदा होने वाला है। आज घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। छात्रों को अपने किसी प्रतियोगिता संबंधी समस्या का आज समाधान मिलने से रिलैक्स फील होगा। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेगी। शुभ अंक- 7

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पिछले कुछ समय से किसी कार्य को लेकर चल रही योजनाएं कामयाब होगी। आज आपकी लगन और मेहनत आपको उचित परिणाम हासिल करवाएगी। आज आपका सहयोग परिवारजनों का हिम्मत और हौसला बढ़ाएगा। मोबाइल व ई-मेल द्वारा आज आपको शुभ समाचार मिलने की संभावना है। शुभ अंक- 6

कर्क राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में जरूरत पड़ने पर भाइयों या नजदीकी मित्रों का सहयोग मिलेगा, उनकी सलाह से परेशानियों से निजात मिलेगी। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति से उलझने से बचना चाहिए। आज ऑफिस के माहौल में राजनीति जैसी स्थिति रहेगी। आपकी परेशानियों को हल करने में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। शुभ अंक- 3

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज दिन भर कुछ ना कुछ नया करने के बारे सोचेंगे। किसी भी प्रकार की समस्या के समय परिवार का सहयोग आपके लिए मददगार साबित होगा। आज किसी प्रिय मित्र से मुलाकात हो सकती हैं। किसानों के लिए ये समय अनुकूल रहेगा, अच्छा धन लाभ होगा। **शुभ अंक- 8**

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप आत्मविश्वास और ऊर्जा द्वारा अपने अन्य कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे। आज कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है जिससे आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। साझेदारी के कार्यों में पारदर्शिता बनाकर रखना जरूरी है। ऑफिशियल डाक्यूमेंट्स संभालकर रखें। शुभ रंग- लाल

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज अचानक किसी खास मित्र के साथ मुलाकात होगी, तथा किसी विशेष मुद्दे पर लाभदायक विचार-विमर्श होंगे। धार्मिक तथा आध्यात्मिक गतिविधियों में भी कुछ समय लगाने से मानसिक ऊर्जा बनी रहेगी। आज घर परिवार के मामलों में अपनी उपस्थिति और सहयोग देना जरूरी है। आज किसी से वादा करने से पहले अपने सामर्थ्य का भी ध्यान रखें। शुभ अंक- 6

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज दिन की शुरुआत में खुशखबरी मिलने से पूरा दिन खुशनुमा बीतेगा। प्रभावशाली तथा अनुभवी व्यक्ति के सानिध्य में समय बिताने का मौका मिलेगा। आज आपके व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। विशेष काम में चल रही समस्याएं आज दूर होंगी। शुभ अंक- 8

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज घर में बदलाव या सुधार संबंधी योजना बन रही है, तो उस पर काम करने के लिए अच्छा समय है। कोशिश करने पर मनचाहा काम पूरा हो सकता है। उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलने की पूरी संभावना है। अध्ययनरत युवाओं को पढ़ाई में उचित सफलता मिलेगी। शुभ अंक- 9

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में कार्यभार की अधिकता की वजह से ओवरटाइम भी करना पड़ेगा। विवाहित जीवन मधुरता से परिपूर्ण रहेगा। घर के बड़े बुजुर्गों के अनुशासन व देखरेख से घर की व्यवस्था उचित बनी रहेगी। लवमेट आज एक दूसरे को उपहार देंगे। शुभ अंक- 2

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको कोशिश और मेहनत से अच्छे नतीजे मिलने के योग हैं। आज किसी प्रशासनिक कार्य में राजनीतिक व्यक्ति की मदद भी मिल सकती हैं। व्यवसाय में आज आप कुछ नया करने का मन बनायेंगे। अगर आज अपने नए काम संबंधी योजनाएं बनाई है, तो उस पर काम करने के लिए समय अच्छा है। विरोधी आपके धैर्य को देखकर हार मानेंगे। शुभ अंक- 7

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज व्यस्तता के बावजूद सभी कार्य सहज रूप से पूरे हो जाएंगे। घर में आए मेहमानों के उचित आवभगत भी करेंगे। आध्यात्मिक गतिविधियों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। परिवार के साथ शॉपिंग करने जायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ अंक- 5

नारी शक्ति का दशक, विकसित भारत का उत्कर्ष

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

देश के किसी भी गाँव, बस्ती या सुदूर इलाके में जाइए- हर घर की रसोई में एक जैसी बदली हुई हवा महसूस होगी द्य चूल्हे के जिस काले धुएँ ने कभी नई दुल्हन की आँखों में आँसू भरे थे, उज्ज्वला की नीली लौ ने उसे विदा कह दिया है। जो माँ कभी कोसों दूर से पानी ढोती थी, आज उसकी बेटी के पास 'हर घर जलÓ का अपना नल है। खेत के पीछे की वह शर्मनाक मजबूरी अब इतिहास है- आँगन में स्वच्छ भारत का शौचालय गरिमा के साथ खड़ा है। सिर पर पक्की छत है, और उसके मालिकाना हक पर पहली बार- घर की महिला का नाम लिखा है। पर्स में जन-धन की पासबुक है और फोन में यूपीआई का ऐप है।

यह किसी पोस्टर पर छपी कोई काल्पनिक तस्वीर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के बारह वर्षों में महिला सशक्तिकरण का एक ऐसा सच है, जिसे देश की करोड़ों महिलाएँ हर रोज़ जी रही हैं। यह उस दौर की दास्तान है जिसमें महिलाओं के नेतृत्व में विकास के विजन के साथ भारतीय नारी विकसित भारत की शिल्पकार बन रही है। इस बदलाव की विशालता को समझने के लिए एक दशक पीछे लौटिए। एक समय मातृ मृत्यु दर 212 थी। निर्भया जैसी घटना पर देश का आक्रोश सड़कों पर था, लेकिन व्यवस्था में नीतिगत इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती थी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 से चार बार अधर में लटका रहा और ट्रिपल तलाक पर दशकों तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई। चूल्हा साँसों में कालिख घोलता था। दूरस्थ हैंडपंप रोज़मर्रा की बेबसी का प्रतीक था द्य भारतीय नारी एक नई सुबह की प्रतीक्षा में अपने हिस्से की उम्मीद बचाए हुए थी द्य

शुरुआत करते हैं सबसे पवित्र आँकड़े—जीवन का अधिकार से। देश में मातृ मृत्यु दर तेजी से घटकर 212 से 88 पर आ गई है। यूएन-एमएमईआईजी के अनुसार जहाँ वैश्विक स्तर पर मातृ मृत्यु दर में महज़ 48त्न की कमी आई, वहीं भारत ने 86त्न की ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की है। संस्थागत प्रसव 38.7त्न से बढ़कर 90.6त्न हो चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने चार करोड़ से अधिक माताओं के बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक सीधे हस्तांतरित कर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव मजबूत की है। देश में बने 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों ने महिलाओं को गरिमा दी द्य10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शनों ने धुएँ से मुक्ति दी। आज 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल का पानी पहुँच चुका है—जबकि 2014 में महज 17त्न परिवारों के पास यह सुविधा थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के लगभग 4 करोड़ घरों में से 73त्न घर महिलाओं के नाम पर हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सरकारी रिकॉर्ड्स पर माँ-बहनों का नाम गर्व से दर्ज है।

गरिमा से स्वामित्व आया, और स्वामित्व ने निर्णय लेने का आत्मविश्वास दिया। आर्थिक भागीदारी का यह विस्तार बैंक खाते से शुरू होकर उद्यमिता तक पहुँचा है द्य लगभग 56 करोड़ जन-धन खातों में 56त्न खाते महिलाओं के नाम पर हैं।

विश्व बैंक मानता है- भारत ने एक दशक में खाता-स्वामित्व के जेंडर गैप को शून्य पर ला दिया है, जो वैश्विक वित्तीय समावेशन के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ से अधिक जमानत-मुक्त ऋणों में से 68त्न ऋण महिलाओं को मिले हैं। स्टैंड-अप इंडिया ने महिला उद्यमियों को 43,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं और दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई है। निर्धारित समय से पहले 3 करोड़ बहनें 'लखपति दीदियाँÓ बन चुकी हैं।

यह बदलाव शिक्षा और रोजगार में भी स्पष्ट है द्य देश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी वर्ष 2017-18 के 23.3त्न से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 41.7त्न हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह भागीदारी 47.6त्न तक पहुँच चुकी है । सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक 4.53 करोड़ खातों में 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है । उच्च शिक्षा में हमारा जेंडर समानता सूचकांक 1 के पार है और एसटीईएम शिक्षा में बेटियों की भागीदारी 43त्न है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है। यह परिवर्तन केवल अनुभवों में नहीं, एसआरएस, एनएफएचएस, पीएलएफएस, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र—हर रिपोर्ट एक ही दिशा की ओर इशारा करती हैः भारतीय महिला के लिए पहुँच बढ़ी है और आत्मनिर्भरता का नया आसमान खुला है।

इसी आर्थिक-सामाजिक चेतना का विस्तार राजनैतिक और लोकतांत्रिक भागीदारी में दिख रहा है। वर्ष 2019 के आम चुनावों में पहली बार महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया—यह वैश्विक स्तर पर महिलाओं की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी थी द्य इसी के फलस्वरूप दशकों से लंबित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियमÓ संसद में ऐतिहासिक सर्वसम्मति से पास हुआ। आज जमीनी स्तर पर 14.5 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधि पंचायतों का नेतृत्व कर रही हैं। देश की रक्षा की अग्रिम पंक्ति में भी महिलाएँ राफेल उड़ा रही हैं और नौसेना की कमान संभाल रही हैं। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने ट्रिपल तलाक पर प्रभावी रोक लगाई, जिससे ऐसे मामलों में 82त्न की कमी आई है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

2027 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए राहुल हैं मोहम्मद कैफ की पहली पसंद

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है 2027 एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएल राहुल है। कैफ ने कहा कि युवा ईशान किशन भी अच्छे खिलाड़ी हैं और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी उन्हें पसंद करते हैं पर मेरा मानना है कि राहुल अनुभवी और परिपक्व हैं और एकदिवसीय प्रारुप में उनका रिकार्ड भी काफी अच्छा है। ऐसे में उन्हें टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जगह मिलना तय है। कैफ ने राहुल के पिछले कुछ साल के अच्छे प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, एकदिवसय क्रिकेट में उनका 50 का औसत है। नंबर 5-6 पर आकर जिस तरह से उन्होंने कई मैचों में फिनिशर के तौर पर काम किया है और शानदार औसत के साथ बल्लेबाजी की है, वह सराहनीय है। कैफ ने कहा कि राहुल ने अपने करियर में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं, आलोचना झेली है, टीम से बाहर हुए हैं, ट्रोल हुए हैं, लेकिन इन सबसे उबरकर उन्होंने खुद को एक परिपक्व खिलाड़ी के रूप में साबित किया है। उनकी बहुमुखी प्रतिभा को बताते हुए कैफ ने कहा कि राहुल कई भूमिका एकसाथ निभा सकते हैं। किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, कप्तानी भी कर सकते हैं और बेहतरीन स्लिप फील्डर भी हैं, जो उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाता है। हालांकि, मोहम्मद कैफ ने यह भी माना कि भविष्य को देखते हुए ईशान की विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अहम दावेदारी है। उन्होंने कहा कि ईशान को फिलहाल जो मौके मिल रहे हैं, वे प्रयोगों का ही हिस्सा हैं। कैफ ने कहा , गंभीर ईशान किशन को बहुत पसंद करते हैं। जिससे उन्हें लाभ हो सकता है। कैफ ने कहा कि एक गंभीर ने कई मौकों पर ईशान का नाम लिया है और उनकी बल्लेबाजी शैली की प्रशंसा की है।

हालांकि अभी कैफ के अनुसार, नंबर 6 पर राहुल का स्थान सुरक्षित है और वही विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे क्योंकि उन्होंने खुद को लगातार प्रदर्शन से साबित किया है। लेकिन कैफ ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जैसे ही राहुल की फॉर्म में गिरावट आएगी या उनके लिए बुरे दिन आएंगे, तो गौतम गंभीर के पसंदीदा होने के नाते ईशान किशन को टीम में जगह मिल सकती है।

मेसी सहित तीन दिग्गजों के बीच 'गोल्डन बूट के लिए कड़ा मुकाबला

एजेंसी, फिलाडेल्फिया । अमेरिका, कनाडा और मैक्सको में जारी फीफा विश्वकप में जारी फीफा विश्वकप फुटबॉल में तीन स्टार खिलाड़ियों अर्जेंटीना के लियोनल मेसी, फ्रांस के किलियन एम्बापे और नार्वे के एर्लिंग हालैंड के बीच 'गोल्डन बूट अवार्ड के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। हाल ही में हुए मैचों में इन तीनों दिग्गजों ने दो-दो गोल किये थे, जिससे मुकाबला और कड़ा हो गया है। डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में मेसी ने दोनों गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। इससे विश्वकप में उनके गोलों की संख्या रिकॉर्ड 18 तक पहुंच गयी है। ऐसे में मेसी अब तक टूर्नामेंट में पांच गोल के साथ सबसे आगे चल रहे हैं, जिससे गोल्डन बूट की रेस में उनकी दावेदारी और भी मजबूत हो गई है। वहीं फ्रांस के एम्बापे ने फिलाडेल्फिया में इराक के खिलाफ दो गोल कर अपनी टीम की 3-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस प्रकार अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे एम्बापे ने अब तीन विश्व कप टूर्नामेंटों में कुल 16 गोल कर गोल्डन बूट की दौड़ में अपने को बनाये हुए हैं। वहीं न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने भी दो गोल दागकर नॉर्वे को सेनेगल पर 3-2 से जीत दिलाई, जिससे उनकी टीम ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। अपने पहले ही विश्वकप कप में खेल रहे 25 वर्षीय हालैंड ने अब तक दो मैचों में चार गोल किए हैं। वह गोल्डन बूट की दौड़ में 16 गोल कर एम्बापे के बराबर और मेसी से दो गोल पीछे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में विश्व कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, ऐसे में इस युवा स्ट्राइकर का यह पहला विश्व कप अभियान है, जिसमें उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है और एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं।जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है, गोल्डन बूट की यह व्यक्तिगत कड़ी होती जा रही है। मेसी अपनी अनुभव और रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ, एम्बापे अपनी युवा ऊर्जा और रिकॉर्ड-बराबरी के साथ, और हालैंड अपने पहले विश्व कप में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

पांड्या के मुम्बई छोड़कर केकेआर या रॉयल्स जाने की संभावना

एजेंसी, मुम्बई

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अब इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र में मुमबई इंडियंस में नजर नहीं आयेंगे। हार्दिक के अगले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) या राजस्थान रॉयल्स से खेलने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर और रॉयल्स ट्रेड डील के जरिये पांड्या को अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। मुम्बई को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो टीमों से प्रस्ताव मिले हैं। माना जा रहा है कि केकेआर प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को को लेकर कई दौर की बातचीत भी हुई है। आईपीएल के 19 वें सत्र में पांड्या का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था जिस कारण मुम्बई भी अब उन्हें टीम में बनाये नहीं रखना चाहती। वहीं पिछले दो सत्र से खराब प्रदर्शन से परेशान केकेआर हार्दिक को अपनी टीम में लाने को लेकर सभी प्रयास कर रही है। वह उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी देना चाहती है। , इसका कारण है कि अभी टीम उपकप्तान रिंकू सिंह को कप्तानी के लिए सही नहीं मानती। अभी टीम की कप्तानी अजिंक्य रहाणे के पास है पर उनके रहते टीम का प्रदर्शन अच्छ नहीं रहा है। केकेआर रहाणे को टीम से रिलीज करना चाहती है। केकेआर के अधिकारियों ने पिछले सत्र में भी मुम्बई से संपर्क किया था, पर उस समय रिलायंस की वार्षिक आम बैठक के कारण फ्रैंचाइजी बात नहीं कर पायी थी।

एशियाई खेलों में भारतीय गोल्फर कई पदक जीतेंगे : जीव मिल्खा सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली। अनुभवी गोल्फर जीव मिल्खा सिंह को उम्मीद है कि आगामी 19 सितंबर से शुरु हो रहे एशियाई खेलों में भारतीय गोल्फर बेहतर प्रदर्शन कर कई पदक जीतेंगे। जीव के अनुसार जापान में होने वाले इन खेलों में भारतीय गोल्फर अधिक से अधिक पदक जीतने में सफल रहेंगे। विशेष रूप से महिला टीम से उन्हें स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि सभी गोल्फर अपना अभ्यास जारी रखें। एशियाई खेलों में गोल्फ स्पर्धाएं 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच आयोजित की जाएंगी। इसमें छह सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भाग लेगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय दल के पास पदक जीतने का बहुत अच्छा मौका है। महिला टीम बहुत मजबूत है। मुझे उम्मीद है कि वे स्वर्ण पदक जीतेंगी। लड़कों की टीम भी बहुत मजबूत है। उन्हें भ्री पदक मिलना चाहिए। उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए यह भी जोड़ा कि अगर उनसे लड़कों और लड़कियों की टीमों की तुलना करने को कहा जाए, तो उन्हें लड़कियों की टीम अधिक बेहतर लगती है। भारतीय पुरुष गोल्फ टीम में युवराज संधू, वीर अहलावत और सप्तक तलवार जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि महिला टीम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं अदिति अशोक, दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स जैसी बेहतरीन गोल्फर हैं।

जिस मैदान पर रोहित ने अपना पहला मैच खेला, उसी से डेब्यू कर सकते हैं वैभव

एजेंसी, बेलफास्ट

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने साल 2007 में 20 साल की उम्र में बेलफास्ट के जिस मैदान पर अपना पहला मैच खेला था संयोग से अब उभी मैदान पर 15 साल के वैभव सूर्यवंधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। उस डेब्यू मैच में हालांकि रोहित को बल्लेबाजी करने का मौका ही नहीं मिला और वह बिना कोई रन बनाए नाबाद लौटे। तब किसी को नहीं पता था कि रोहित भविष्य में भारतीय टीम के कप्तान बनेंगे। अब उसी मैदान पर आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी उतरेंगे! जिस तरह रोहित ने छोटी उम्र में कदम रखा था, वैसे ही वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के बल पर टीम इंडिया की ओर से धमाकेदार शुरुआत चाहेंगे। भारतीय टीम आयरलैंड से अपना पहला टी20 26 जून को खेलेगी। सबसे दिलचस्प बात यह है कि उनका पदार्पण भी संभवतः उसी आयरलैंड की धरती, उसी बेलफास्ट के मैदान पर हो सकता है, जहाँ से रोहित ने अपने करियर की शुरुआत की थी। ऐसे में ये चर्चा जोरों पर है कि क्या वैभव भी रोहित की तरह आयरलैंड के खिलाफ उसी इतिहास को दोहराएंगे? प्रशंसक इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि यह सिर्फ एक डेब्यू नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के भविष्य की एक नई झलक होगी। जिस मैदान पर कभी रोहित ने एक भी गेंद खेले बिना ही अपने कैरियर की शुरुआत करते हुए कई रिकार्ड बनाये।

बिजनेस

लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग की स्टॉक मार्केट में डिस्काउंट एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग सर्विस देने वाली कंपनी लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने कमजोर एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को झटका दे दिया। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई खरीदारी से शेयर की स्थिति में सुधार हुआ, जिससे कंपनी के आईपीओ निवेशक घाटे से उबर गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 23 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.35 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 22 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही 23.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में अपर सर्किट लगने के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.43 प्रतिशत के फायदे में आ गए। लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज का 88.51 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 20.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.10 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.84 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11.22 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 27 करोड़ रुपये के 8.42 लाख नए शेयर और 7 करोड़ रुपये के 2.22 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी असेंबलिंग यूनिट लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 28 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.39 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 16.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 14.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 105.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 162.88 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 137.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 14.18 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 13.05 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 13.78 करोड़ रुपये और 2024-25 में 20.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 32.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

कच्चा तेल 2 मार्च के बाद पहली बार 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली । स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान के अधिकारियों के बीच पहले दौर की बातचीत खत्म होने के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 2 मार्च के बाद पहली बार 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 1.33 डॉलर यानी 1.73 फीसदी की गिरावट के साथ 75.75 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। शुरुआती कारोबार में यह 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब था। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड अभी 1.23 डॉलर यानी 1.68 फीसदी की गिरावट के साथ 71.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई यह गिरावट स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से यातायात सामान्य होने का असर है। यह गिरावट भू-राजनीतिक तनाव में कमी और अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक कोशिशों को लेकर उम्मीद को दिखाती है, जो भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए राहत की बात है।

क्ले क्राफ्ट ने आईपीओ निवेशकों को किया खुश, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

बोन चाइना क्रॉकरी का उत्पादन करने वाली कंपनी क्ले क्राफ्ट इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। हालांकि, लिस्टिंग के बाद हुई खरीदारी से कंपनी के आईपीओ निवेशक खुश हो गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 203 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3.94 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 211 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में तेजी का रुख बन गया। थोड़ी देर में ही ये शेयर 221.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर 18.55 रुपये यानी 9.14 प्रतिशत का फायदा हो गया। क्ले क्राफ्ट इंडिया का 110.11 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 103.06 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 119.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 153.95 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 71.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 54.24 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी एक नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। क्ले क्राफ्ट इंडिया की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 20.76 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 27.01 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 154.44 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 184.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार वृद्धि हुई।

स्टॉक मार्केट में दीक्षा पॉलिमर्स की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

पेट बॉटल और कंटेनर का उत्पादन करने वाली कंपनी दीक्षा पॉलिमर्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई खरीदारी से कंपनी के आईपीओ निवेशक खुश हो गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 112 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.23 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 114.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में तेजी का रुख बन गया। दोपहर 1:45 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 120.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 8.20 रुपये यानी 7.32 प्रतिशत के फायदे में रहे। दीक्षा पॉलिमर्स लिमिटेड का 17.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.14 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 15,98,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं, चेन्नई में सोने के भाव में 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है। चांदी के भाव में भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लियोटेक इंडस्ट्रीज ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

हार्डवेयर स्ट्रक्चर और एसेसरीज का निर्माण करने वाली कंपनी लियोटेक इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 321 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 19.94 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 257 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 244.15 रुपये के लोअर सर्किटल लेवल तक गिर गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 76.85 रुपये यानी 23.94 प्रतिशत का नुकसान हो गया। लियोटेक इंडस्ट्रीज का 36.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.91 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.85 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.97 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11.22 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 27 करोड़ रुपये के 8.42 लाख नए शेयर और 7 करोड़ रुपये के 2.22 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

फिल्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी की फिल्म बेबी डू डाई डू का टीजर जारी, एक्शन-रोमांच से हैं भरपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी पिछले कुछ समय से अपनी एक अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म का नाम हैबेबी डू डाई डू, जो 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. अब मेकर्स ने इस फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी कर दिया है. टीजर वीडियो में हुमा कुरैशी एक किलर के किरदार में नजर आ रही हैं. टीजर को देखकर कहानी के बारे में तो ज्यादा कुछ पता नहीं चलता है, लेकिन ऐसा लगता है कि हुमा का किरदार अपनी बहन की मौत का बदलने लेने के लिए लोगों का मर्डर कर रही है.

टीजर की शुरुआत एक लड़की के वॉयसओवर से होती है. वो कहती है, ये कहानी उस रात शुरू होती है जिस रात मेरा मर्डर हुआ था, लेकिन ये स्टोरी मेरे बारे में नहीं है. ये मेरी गूंगी-बहरी बहन की कहानी है. उसके बाद हुमा कुरैशी के किरदार के एंट्री होती है, जो एक के बाद एक लोगों का मर्डर करती है. वो बोल और सुन नहीं सकती है. शहर में उसका खौफ फैल जाता है. वो हमेशा अपने साथ एक छाता लेकर चलती है. टीजर में दिखाया गया है कि वो मर्डर करने के लिए छाते का ही इस्तेमाल करती है. टीजर काफी जबरदस्त लग रहा है और हुमा कुरैशी काफी इंटेंस लग रही हैं. ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म के जरिए वो एक बार फिर से पर्दे पर अपना कमाल दिखाने वाली है. नचिकेत सामंत ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है और हुमा के भाई साकिब सलीम इसके प्रोड्यूसर हैं. चंकी पांडे भी इस पिक्चर में नजर आने वाले हैं. टीजर में एक जगह पर उनकी छोटी सी झलक दिखी है.

कॉकटेल 2 बॉक्स ऑफिसः शाहिद-कृति-रश्मिका की फिल्म 3 दिनों की मोटी कमाई, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 70 करोड़ के पार

कृति सैनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर रॉम-कॉम फिल्म कॉकटेल 2 ने बॉक्स ऑफिस पर पहले वीकेंड शानदार प्रदर्शन किया. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने तीसरे दिन के अंत तक वर्ल्डवाइड 76.25 करोड़ रुपये का ग्रॉस किया, जिसमें भारत में 57 करोड़ रुपये और विदेशों में 19.25 करोड़ रुपये शामिल हैं. 31,542 शो में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 47.50 करोड़ रुपये रहा. फिल्म ने अपने पहले सप्ताहांत में लगातार अच्छी कमाई की. पहले शुक्रवार को इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ने 16.20 करोड़ रुपये का ग्रास कलेक्शन और 13.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. शनिवार को इसने 19.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 16.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था. रविवार को यह आंकड़ा बढ़कर 21.20 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 17.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन हुआ. वीकेंड के अंत तक, फिल्म का भारत में कुल सकल संग्रह 57 करोड़ रुपये रहा, जबकि इसका नेट कलेक्शन 47.50 करोड़ रुपये था. विदेशों में इसका संग्रह 19.25 करोड़ रुपये रहा, जिससे इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 76.25 करोड़ रुपये हो गया। रविवार को फिल्म के 10,462 शो हुए, जिनमें से 29 प्रतिशत सिनेमाघरों में दर्शक मौजूद थे. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सबसे अधिक 1,170 शो हुए, उसके बाद मुंबई में 711 और अहमदाबाद में 582 शो हुए. होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित फिल्म कॉकटेल 2 कुणाल (शाहिद कपूर द्वारा अभिनीत) और दीया (रश्मिका मंदाना द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बचपन के प्रेमी हैं. हालांकि उनके बीच गहरा रिश्ता है, लेकिन वे शादी करने को लेकर हिचकिचाते हैं. सिसिली में छुट्टियां बिताने के दौरान उनकी जिंदगी में एक अनएक्सपेक्टेड मोड़ आता है, जहां उनकी मुलाकात दीया की करीबी दोस्त एली (कृति सैनन द्वारा अभिनीत) से होती है, जो उन्हें अपनी सफर की योजना रद्द करके उसके साथ समय बिताने के लिए मना लेती है. जो एक बढ़िया हॉलीडे से शुरू होता है, वह जल्द ही एक इमोशनल सफर में बदल जाता है. जैसे-जैसे असुरक्षाएं उभरने लगती हैं, दीया कुणाल की सच्ची भावनाओं पर सवाल उठाने लगती है और सोचने लगती है कि क्या वह उससे प्यार के कारण शादी कर रहा है या केवल कर्तव्य की भावना से. कॉकटेल 2 बीती 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई.

रहूं मैं तेरे रूबरू का नया पोस्टर हुआ रिलीज़! प्यार, रहस्य और सस्पेंस से भरपूर कहानी का देता है रोमांचक संकेत

फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जो दर्शकों को एक ऐसी दिलचस्प दुनिया की झलक देता है जहां प्यार और रहस्य का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। इस आकर्षक पोस्टर में दो रोमांटिक जोड़ियों के बीच एक रहस्यमयी नकाबपोश शख्स दिखाई देता है, जो कहानी में छिपे राज़, धोखे और भावनात्मक संघर्ष की ओर इशारा करता है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में नए कलाकार आर्या कुमार, नीथा शेट्टी और पीहू बिस्वास मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके साथ एक मजबूत सहायक कलाकारों की टीम भी है, जो इस सस्पेंस से भरपूर कहानी में अहम भूमिका निभाएगी। फिल्म का निर्देशन इंदर दास ने किया है, जबकि इसकी पटकथा आर्या कुमार द्वारा लिखी गई है। फिल्म के डीओपी सोनू कुमार तिवारी और कमल एस. चौपाल हैं। वहीं आर्या कुमार और हिमांशु तिवारी ने क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में अपनी रचनात्मक दृष्टि से फिल्म को आकार दिया है। फिल्म का निर्माण सुमन सौरभ ने किया है। पोस्टर की रहस्यमयी झलक और प्रभावशाली प्रस्तुति को देखते हुए यह साफ है कि फिल्म प्यार, विश्वासघात, जुनून और छिपी हुई पहचान जैसे विषयों को बड़े सिनेमाई अंदाज़ में पेश करने वाली है। तकनीकी पक्ष की बात करें तो फिल्म का संगीत सोनू राव ने तैयार किया है, जबकि गीत शब्बीर सुर्वे ने लिखे हैं। फिल्म का संपादन हिमांशु तिवारी ने किया है और बैकग्राउंड स्कोर शैलेश राव द्वारा तैयार किया गया है। अपने दिलचस्प पोस्टर के साथ 'रहूं मैं तेरे रूबरू ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। यह रोमांटिक सस्पेंस-थ्रिलर दर्शकों को अंत तक बांधे रखने और हर मोड़ पर नए रहस्यों से चौंकाने का वादा करती है। फिल्म से जुड़ी और अपडेट्स के लिए बने रहिए हमारे साथ।

सितारे जमीन पर की रिलीज के एक साल पूरे, प्रसन्ना ने की भावुक पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म सितारे जमीन पर की रिलीज को एक साल पूरा हो गया है। इस खास मौके पर फिल्म के निर्देशक आर. एस. प्रसन्ना ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए आमिर खान की जमकर तारीफ की। प्रसन्ना ने आमिर को न केवल एक शानदार अभिनेता बताया, बल्कि उन्हें एक पूर्ण सपोर्ट सिस्टम भी कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आमिर के साथ काम करना निश्चित रूप से बेहद फायदेमंद अनुभव है, जो किसी भी रचनात्मक प्रक्रिया को समृद्ध करता है। निर्देशक प्रसन्ना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर आमिर खान के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, सबसे प्रतिभाशाली और स्नेही स्टार, अभिनेता, निर्माता और सपोर्ट सिस्टम के साथ 5 साल की एक असाधारण यात्रा। हर चीज के लिए धन्यवाद सर। आप सच में एक लत की तरह हैं। यह बयान आमिर के न केवल पेशेवर कौशल को दर्शाता है, बल्कि पर्दे के पीछे उनके मानवीय गुणों और सहयोगपूर्ण रवैये को भी उजागर करता है। आर. एस. प्रसन्ना के निर्देशन में बनी सितारे जमीन पर की कहानी दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है, जो अपनी गहराई और भावनात्मकता के लिए जानी जाती है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले आमिर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा निर्मित यह फिल्म, आमिर की 2007 की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म तारे जमीन पर की अगली कड़ी जैसी है। इस फिल्म ने भी दिव्यांग बच्चों और उनके भीतर छिपी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित किया था। सितारे जमीन पर 2018 की स्पैनिश फिल्म चैंपियंस का आधिकारिक रीमेक है, जिसे भारतीय दर्शकों की संवेदनशीलता के अनुरूप ढाला गया है। फिल्म की कहानी एक सस्पेंड किए गए बास्केटबॉल कोच गुलशन अरोड़ा (आमिर खान) के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्हें अपनी गलती के लिए सजा के तौर पर सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया जाता है, जिसके तहत उन्हें दिव्यांग खिलाड़ियों की एक टीम को एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए तैयार करने में मदद करनी होती है। यह यात्रा न केवल खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण है, बल्कि गुलशन अरोड़ा के अपने व्यक्तिगत विकास और आत्म-खोज का भी प्रतीक है। फिल्म में मुख्य भूमिका में जेनेलिया देशमुख हैं, जो अपने प्रदर्शन से कहानी में भावनात्मक गहराई लाती हैं। इसके अलावा, दस नए कलाकार – अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर – भी शामिल हैं, जिनकी ऊर्जा और प्रतिभा ने फिल्म को जीवंत बनाया है। इस ड्रामा की टेक्निकल टीम में जाने-माने सिनेमैटोग्राफर जी. श्रीनिवास रेड्डी, कुशल एडिटर चारु श्री रॉय और प्रसिद्ध संगीतकार तिकड़ी शंकर-एहसान-लॉय शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म के दृश्यों, संपादन और संगीत से कहानी को एक नया आयाम दिया है।

मल्टीटैलेंटेड मुक्ति मोहनः अभिनय नृत्य और होस्टिंग में बनाई अलग पहचान

देश की जानी-मानी प्लेबैक सिंगर नीति मोहन और डांसर व कोरियोग्राफर शक्ति मोहन की बहन मुक्ति मोहन एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री और डांसर हैं। मुक्ति चार बहनों में से एक हैं। नीति मोहन और शक्ति मोहन के अलावा उनकी एक और बहन है, जिनका नाम कृति मोहन है। मुक्ति मोहन ने कई फिल्मों, सीरियलों, वेब सीरीज और रियलिटी शो में अपनी एक्टिंग और हुनर का जादू बिखेरा है। उन्होंने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2007 में विशाल भारद्वाज की शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से की। इसके बाद वह स्टार प्लस के एक डांस रियलिटी शो जरा नचके दिखा 2 में नजर आईं, जहां उनकी टीम विजेता रही और इस उपलब्धि ने उन्हीं काफी प्रसिद्धि दिलाई। इसके बाद उन्होंने कॉमेडी सर्कस का जादू और दिल है हिंदुस्तानी 2 जैसे टीवी शो में भी काम किया है। वह झलक दिखला जा और नच बलिए 7 जैसे डांस रियलिटी शोज और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 7 में भी एक प्रतियोगी के तौर पर नजर आ चुकी हैं। मुक्ति ने डांसर, कोरियोग्राफर और टेलीविजन होस्ट राघव जुयाल के साथ सिंगिंग रियलिटी शो दिल है हिंदुस्तानी 2 की मेजबानी की है। वेब सीरीज की बात करें तो उन्होंने लोकप्रिय वेब सीरीज इनमेट्स के अलावा लाइफ हिल गई, बटरफ्लाइज, ग्यारह ग्यारह, आदि में अभिनय किया है। मुक्ति की फिल्मों की बात करें तो वह थार, अ वेडिंग स्टोरी, साहेब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, कांचीः द अनब्रेकेबल, मुरां, दारुवू, और टॉपिवाला जैसी फिल्मों में काम कर चुकी है। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। मुक्ति अक्सर अपनी बहन शक्ति मोहन के साथ डांस वीडियो शेयर करती रहती है। इसके अलावा फैंस को उनकी कॉमेडी वीडियो भी काफी पसंद आती हैं। मुक्ति थिएटर और परफॉर्मिंग आर्ट्स में भी काफी सक्रिय रहती हैं। उनका खुद का एक मुक्ति मंच नाम का स्टूडियो है। इसके अलावा, कई बार मंच पर उनकी गायकी का टैलेंट भी देखने को मिला है। उन्होंने 5 दिसंबर 2023 को अभिनेता क़ुणाल ठाक़ुर के साथ शादी की।

रोलर स्केटिंग सीखने की सोच रहे हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

रोलर स्केटिंग एक मजेदार और रोमांचक गतिविधि है। यह न केवल आपको फिट रखती है, बल्कि आपके संतुलन को भी सुधारती है। अगर आप रोलर स्केटिंग सीखने की सोच रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जो आपको रोलर स्केटिंग में मदद करेंगे। सही जूते चुनें, सुरक्षा उपकरण पहनें, सही तरीके सीखें, नियमित अभ्यास करें और संतुलन बनाए रखें जैसे महत्वपूर्ण सुझावों पर ध्यान दें। रोलर स्केटिंग के लिए सही जूते का चयन करना बहुत जरूरी है। जूते आरामदायक होने चाहिए ताकि आप लंबे समय तक स्केटिंग कर सकें। इसके अलावा जूतों का आकार और फिटिंग भी सही होनी चाहिए ताकि आपका पैर सही तरीके से जूते में फंसे और फिसले नहीं। अच्छी गुणवत्ता वाले जूते खरीदें जो आपके पैरों को सही सपोर्ट दें और आपको स्केटिंग में मदद करें। ध्यान रखें कि जूतों का तलवा चिकना होना चाहिए ताकि फिसलन बनी रहे। रोलर स्केटिंग करते समय सुरक्षा उपकरण पहनना बहुत जरूरी है। सिर पर टोपी, घुटनों पर पैड, कोहनियों पर पैड और कलाई पर गाइर्स पहनें ताकि अगर गिरते हैं तो चोट कम लगेगी। इन उपकरणों से आप सुरक्षित रहेंगे और आत्मविश्वास के साथ स्केटिंग कर सकेंगे। बच्चों को खासतौर पर सुरक्षा उपकरण पहनाने पर जोर दें ताकि वे भी सुरक्षित रहें और बिना किसी डर के स्केटिंग का आनंद ले सकें। सुरक्षा उपकरण पहनकर आप अधिक आराम महसूस करेंगे। रोलर स्केटिंग सीखते समय सही तरीके बहुत अहम होते हैं। पहले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे गति बढ़ाएं। हाथों को संतुलन बनाए रखने के लिए खुला रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़कर रखें ताकि फिसलन बनी रहे। इसके अलावा मुड़ते समय शरीर को हल्का झुकाएं ताकि मोड़ आसानी से कट सके। नियमित अभ्यास से आप इन तरीकों में माहिर हो सकते हैं और रोलर स्केटिंग का पूरा मजा ले सकते हैं। रोलर स्केटिंग में माहिर बनने के लिए नियमित अभ्यास करना बहुत जरूरी है। रोजाना कुछ समय निकालकर स्केटिंग करें और अपनी गलतियों से सीखें। धीरे-धीरे आपकी स्केटिंग में सुधार होगा और आप अधिक आत्मविश्वास महसूस करेंगे। इसके अलावा अलग-अलग सतहों पर स्केटिंग करने की कोशिश करें ताकि आप हर तरह के माहौल में सहज हो सकें। इससे आपकी तकनीक और संतुलन दोनों बेहतर होंगे और आप रोलर स्केटिंग का पूरा मजा ले सकेंगे। संतुलन बनाए रखना रोलर स्केटिंग का सबसे अहम हिस्सा है। हमेशा अपने वजन को दोनों पैरों पर बराबर रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़कर रखें ताकि फिसलन बनी रहे। इसके अलावा हाथों को खुला रखें ताकि संतुलन बनाए रखना आसान हो। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप रोलर स्केटिंग सीख सकते हैं और इसका पूरा मजा ले सकते हैं। याद रखें कि किसी भी नई गतिविधि को सीखने में समय लगता है, इसलिए धैर्य रखें और नियमित अभ्यास करें।

India tears into Pakistan over 'unwarranted remarks' at UN

'J&K was, is & will remain internal matter'

New Delhi Agency: India on Tuesday strongly objected to Pakistan raising the Kashmir issue at a United Nations forum, accusing Islamabad of politicising the platform.

The remarks were made by India's Permanent Representative to the UN in New York, Ambassador Parvathaneni Harish, in response to comments by Pakistan's Permanent Representative, Asim Iftikhar Ahmad. Pakistan had raised the Kashmir issue during the proceedings, a subject it frequently brings up at international forums.

Responding to Pakistan's intervention, Harish criticised the conduct of the co-chair and reiterated India's long-standing position on Jammu and Kashmir.

"I also refer to the unwarranted remarks made by the representative of Pakistan. It is incredible that a co-chair expected to be balanced and unbiased in conduct has chosen to politicize this forum. I would only like to stress for brevity of time that the Union territory of Jammu and Kashmir is a matter strictly internal to India, it has always been is and will remain so," Harish said.

The Indian envoy also spoke about the ongoing review of UN mandates under the UN-80 framework, which aims to improve efficiency across the organisation.

"...India would like to emphasize that at a time when member states are undertaking mandate implementation review under the UN-80 framework, for the UN General Assembly mandates in order to achieve efficiencies. There is no reason why UN Security Council mandate should be outside the purview of such UN80 frameworks..." Harish said.

The strong reaction from India came days after Pakistan's defence minister Khawaja Asif made provocative remarks against New Delhi over the Indus Waters Treaty, indicating that the suspension could deepen Pakistan's water crisis.

From Parade Ground to Public Service: 531 Recruits Ready for Duty

By Sagar Suraj

DIG Applauds New Generation of Bihar Police Officers as SP Calls for Courage, Compassion and Public Trust at Motihari Passing Out Parade

MOTIHARI : In a ceremony marked by discipline, pride and a vision for modern policing, 531 newly trained constables officially joined the ranks of Bihar Police after completing their Passing Out Parade at the Police Training Centre in Motihari.

The event celebrated not only the successful completion of nearly nine months of intensive training but also the beginning of a new chapter in public service for hundreds of young recruits.

The Passing Out Parade drew special attention with the presence of the Deputy Inspector General (DIG) of Champaran Range, whose participation underscored the significance of the occasion. Senior police officers described the event as a milestone in Bihar Police's efforts to build a professional, disciplined and citizen-focused force capable of meeting the challenges of modern law enforcement.

The graduating batch included recruits from multiple districts across Bihar, who underwent comprehensive training covering physical endurance, weapons handling, criminal law, cybercrime awareness, first aid, crowd management and other critical aspects of policing. Advanced teaching methods, including smart classroom sessions and practical exercises, were used to prepare the recruits for real-world situations.

Addressing the gathering, the Superintendent of Police (SP) delivered a message that resonated throughout the ceremony. He urged the new constables to view policing not merely as a profession but as a commitment to society. The SP reminded them that the badge they wear represents responsibility, accountability and public trust.

"The true measure of a police officer is not only in enforcing the law but also in protecting the vulnerable and earning the confidence of the community," he said, emphasizing the importance of empathy alongside discipline.

The SP further highlighted the need for officers to remain sensitive to the concerns of women, children, senior citizens and marginalized groups while maintaining a firm stance against crime. He encouraged the recruits to uphold the highest standards of integrity and professionalism throughout their careers.

Officials also acknowledged the contribution of trainers, instructors and families who played a vital role in shaping the recruits into capable police personnel. Their collective efforts, officers said, helped transform ordinary young citizens into disciplined members of one of the state's most important institutions.

As the final parade commands echoed across the training ground and the recruits marched out as fully trained police personnel, the ceremony symbolized more than graduation—it marked the arrival of 531 new guardians of public safety.

"Guided by the DIG's leadership and inspired by the SP's call for service-driven policing, these young officers now prepare to serve communities across Bihar with dedication, discipline and pride" said a police officer.

Rs 89,000-crore import bill sparks fresh push for made-in-India medical devices

New Delhi, Agency: From MRI machines and CT scanners to surgical implants and critical care equipment, India's dependence on imported medical devices is continuing to grow despite years of efforts to boost local manufacturing.

Imports of medical devices rose 17% in the last financial year to nearly Rs 89,000 crore, up from Rs 76,000 crore the previous year, prompting domestic manufacturers to seek stronger government support and greater access to public procurement.

The demand comes as the Department of Pharmaceuticals has launched a review of the list of medical devices that government agencies are allowed to buy through global tenders. The exercise could determine whether hospitals continue sourcing certain products from overseas suppliers or increasingly turn to Indian manufacturers.

Industry body AiMeD has urged the government to remove from the exemption list devices that are already being manufactured in India.

SC stays release of 1993 Kolkata blast convict release, says act akin to terrorism

New Delhi Agency: Supreme Court Tuesday stayed a Delhi HC order releasing Rashid Khan, convicted and sentenced to life imprisonment for the March 1993 blast in Kolkata that killed 69 and injured more than 100 people just four days after underworld-triggered serial bomb blasts in Mumbai killed 257 and injured over 700 as retaliation for the Babri Masjid demolition in Dec 1992. Arguing West Bengal govt's appeal against the HC verdict, additional solicitor general S V Raju told a bench of Justices Prashant Kumar Mishra and Sanjeev Sachdeva that the mastermind of a heinous terrorism-related crime that resulted in a huge loss of lives did not deserve to be released. The bench asked Rashid to file a response to the state's appeal by July 28, the next date of hearing, and said, "In the meanwhile, the operation of the impugned order shall remain stayed."

Voter ID row: Third non-bailable warrant issued against actor Prakash Raj

New Delhi Agency: A third non-bailable warrant was issued against Actor Prakash Raj after he failed to appear before a Bengaluru court in a case alleging that his name figured in four electoral rolls spread across three states. The warrant was reissued on June 12 on a petition filed by advocate K Dilip Kumar, with the next hearing set for July 25.

The latest order intensifies the legal trouble for the actor, who has remained absent despite earlier summons and two previous non-bailable warrants issued by the court.

Court records show that a summons was first issued on February 17, through the Commissioner of Police. However, authorities reported that Raj could not be

located at the address mentioned in the petition.

After he failed to appear, the court issued its first non-bailable warrant on March 17, noting: "It is reported that the accused has vacated the house. The accused called out absent. Issue NBW to the accused."

When the matter came up again on April 17 and Raj did not appear, the warrant was reissued. The court issued the third NBW on June 12, with the proceedings recording that the presiding officer had been away on training.

At the heart of the case are allegations that Raj's name appeared in multiple voter lists while he was contesting the 2019 Lok Sabha election from Bengaluru Central.

In his complaint, advocate K Dilip Kumar alleged that besides being enrolled as a voter in Bengaluru's Shantinagar Assembly constituency, Raj's name also appeared at two locations in Chennai's Velachery Assembly constituency in Tamil Nadu and in Telangana's Serilingampally Assembly constituency. The complainant said he had approached the local police in April 2019 seeking action, but alleged that no steps were taken. He subsequently moved the court, which took up the matter in 2023.

Ladakh bandh to protest 'breach' of agreement in Delhi talks

Srinagar, Agency: A month after talks between Ladakh groups and a Union home ministry (MHA) panel in Delhi, the Union Territory observed Tuesday a complete shutdown against the Centre's alleged backtracking on understandings reached during the parleys.

Businesses across Leh and Kargil remained closed as large numbers of people gathered to hear functionaries of Leh Apex Body (LAB) and the Kargil Democratic Alliance (KDA), the region's two main political groups that had called the bandh.

The groups have alleged that draft minutes of the May 22 meeting shown to LAB co-chairman Chering Dorjay Lakrook omitted an agreement on a proposed legislative body with

authority over the bureaucracy as well as constitutional safeguards for Ladakh through a provision similar to Article 371.

LAB and KDA have warned that if the "two essentials" are not reflected in the final minutes, they would return to their original demand of "full statehood and Sixth Schedule status for Ladakh". Sonam Wangchuk, LAB member and environmentalist, was part of the May talks, described later by both groups as "historic".

'Attempt to deflect': India snubs Khawaja Asif's 'will go to war over Indus' remark

New Delhi Agency: India on Tuesday strongly condemned Pakistani defence minister Khawaja Asif's "we'll go to war over Indus" remark, dismissing it as an attempt by Islamabad to deflect attention from its human rights abuses. "Such remarks are desperate attempts by Pakistan to cover up its own failings and deflect attention away from its human rights abuses. We categorically reject these fabricated claims with the contempt that they deserve," MEA spokesperson Randhir Jaiswal said in a press brief.

He also spoke on the ongoing protest in the Pakistan Occupied Kashmir (PoK), saying the agitation was a "direct consequence" of "systemic economic exploitation, denial of fundamental rights and administrative oppression in areas under its illegal and forcible occupation". "The ongoing protests in Pakistan occupied Kashmir are a direct consequence of Pakistan's decades long policy of systemic economic exploitation, denial of fundamental rights and administrative oppression in areas under its illegal and forcible occupation in Pakistani state has responded with systemic economic exploitation, denial of fundamental rights, and administrative oppression in areas under its illegal and forcible occupation, Pakistani state has responded with extreme police brutality, blocking of essential supplies and medicines, internet blackouts, and use of lethal force against unarmed civilians," Jaiswal said. Earlier, Pakistan defence minister Khawaja Asif issued a warning to India, saying Islamabad could resort to military action if its water security comes under threat. His remarks come as Pakistan grapples with a worsening water crisis, more than a year after New Delhi suspended the long-standing Indus Waters Treaty in the aftermath of Pakistan-sponsored Pahalgam terror attack.

SC seeks Assam reply on Zubeen case bail plea

New Delhi Agency: Eight months after his arrest on the charge of conspiracy in the case related to the unnatural death of Assam's iconic singer, Zubeen Garg, in Singapore, accused Shyamkanu Mahanta's plea seeking bail was entertained Tuesday by Supreme Court, which sought the state govt's response, reports Dhananjay Mahapatra.

Mahanta, in his petition, gave a

detailed account of how Garg drank continuously in Singapore even prior to the unfortunate yacht trip despite strict instructions not to ingest alcohol. Senior advocate Siddharth Dave, advocating bail for Mahanta, told a bench of Justices B V Nagarathna and Joymalya Bagchi that the accused was not even at the site of Garg's drowning and yet had been named an accused.

Fields of work by foreign-funded NGOs outlined, proselytisation excluded

New Delhi, Agency: Eliminating any room for ambiguity in activities permitted in the country with foreign contributions, the home ministry has notified a schedule of 105 purposes from which NGOs and associations, both ones seeking fresh registration and those already registered under the Foreign Contribution Regulation Act (FCRA), must choose while declaring their purpose or purposes of registration. The

Schedule of 'purposes' notified through the Foreign Contribution (Regulation) Amendment Rules, 2026 notified on Monday, lists the five primary categorisations - religious, cultural, economic, educational and social - as well as detailed sub-lists of 'purposes' approved for each of these categories. Interestingly, the list of 16 purposes categorised under the 'religious' cohort explicitly excludes proselytisation, while listing conduct of religious education, moral instruction, discourses and meditation retreats as valid activities by foreign-funded NGOs. NGOs, as per the amended rules, will also be required to declare the states/UTs in which they intend to undertake activities funded by foreign sources. They can specify multiple purposes as well as states and Union territories for their proposed activities, but the Rs 10,000 fee payable at the time of registration will deemed to be for just one state and one purpose. For any additional purpose or state/UT to which the non-profit seeks to expand the scope of its activities, it must pay Rs 300 extra per purpose and per state/UT.